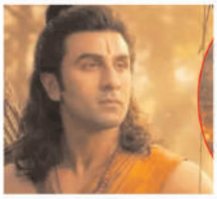

दैनिक

कीर्तिप्रभा

खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ

वर्ष: 28, अंक: 188 पृष्ठ 12, रीवा

मंगलवार 31 मार्च 2026

मूल्य: 3.00 रुपए

1 अप्रैल से शुरू होगा जनगणना का काम

-आवास सूचनाओं और घरेलू संपत्तियों का जुटाया जाएगा डेटा

नई दिल्ली(ईएमएस)। 1 अप्रैल को जनगणना का पहला चरण शुरू होने वाला है। इसको लेकर केंद्र सरकार ने कहा है कि जातिगत गणना इस प्रक्रिया के दूसरे चरण के दौरान की जाएगी, जिसे जनसंख्या गणना के नाम से जाना जाता है। दरअसल, रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय जनगणना की दोहरी संरचना का विस्तार से वर्णन किया। इसमें पहला चरण आवास सूचीकरण और जनगणना, आवास की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और घरेलू संपत्तियों पर केंद्रित है, जो कि दूसरे चरण के लिए एक आधार प्रदान करता है।

जनसंख्या के दूसरे चरण में जनसांख्यिकीय, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक मापदंडों पर डेटा प्रदान करता है, जिसमें प्रवासन और प्रजनन दर शामिल हैं। मृत्युंजय कुमार ने कहा कि जनगणना के दूसरे चरण के दौरान जाति गणना की जाएगी।जनगणना की शुरुआत 1 अप्रैल से स्व-गणना के साथ होगी। इसके बाद 16 अप्रैल से नामित गणनाकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या सूचीकरण अभियान चलाया जाएगा। पहले चरण को अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच पूरा करना है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद..........दुनिया के कई देशों की तेल और गैस से भरी टंकी होने लगीं खत्म

नई दिल्ली, ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल के हमलों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट बंद है। इसकी वजह से मिडिल ईस्ट का तेल बाकी दुनिया में नहीं जा रहा है। हालात इसतरह के हैं कि तमाम देशों को घटते तेल स्टॉक का असर महसूस हो रहा है। प्रमुख अमेरिकी वित्तीय संस्था जेपी मॉर्गन ने पिछले हफ्ते जारी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि जैसे-जैसे यह झटका पश्चिम की ओर बढ़ेगा, एशिया पर इसका असर सबसे पहले पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार अगला नंबर अमेरिका और यूरोप का होगा। आमतौर पर, फारस की खाड़ी से तेल का शिपमेंट 10 से 20 दिनों में एशिया पहुंचता है। करीब 20 से 35 दिनों में यूरोप और अफ्रीका और फिर आखिर में करीब 35 से 45 दिनों के बाद अमेरिका पहुंचते हैं। मॉर्गन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम की ओर बढ़ रही सप्लाई में रुकावट की वजह से एशिया को सबसे पहले दबाव महसूस होगा। आखिरी तेल टैंकर 28 फरवरी को स्ट्रेट से निकला था और युद्ध से पहले ये आखिरी शिपमेंट ज्यादातर खत्म हो चुके हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया पर खास तौर पर बुरा असर पड़ेगा। इस इलाके में तेल एक्सपोर्ट में महीने-दर-महीने 41 फीसदी की गिरावट का जिक्र कर रिपोर्ट में कहा गया, च्तेल से संबंधित मुख्य चुनौती कीमत से फिजिकल कमी में बदल गई है। दक्षिण पूर्व एशिया के बाद स्थिति से अफ्रीका प्रभावित होगा, जिसका असर अप्रैल की शुरुआत तक और बढ़ जाएगा, हालांकि यह लोकल स्टॉक लेवल और देश में आयात किए गए तेल पर कितने आश्रित हैं, इस पर निर्भर करता है। मॉर्गन ने कहा कि तनाव के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं। केन्या में रिटेल लेवल पर फ्यूल की कमी हो रही है, जबकि तंजानिया के पास अभी काफी स्टॉक है। यूरोप पर इसका असर अप्रैल के बीच तक महसूस होने की संभावना है, हालांकि उसके पास मजबूत इन्वेंट्री बफर और अल्टरनेटिव अटलांटिक बेसिन सप्लाई का फायदा है।

एक्टर की समुद्र में डूबने से मौत

बालासोर(ईएमएस)। बंगाली सिनेमा के एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी की हादसे में मौत हो गई। वह ओडिशा के तलसरी समुद्र तट पर टीवी शो च्भोले बाबा पार करेगाज् की शूटिंग कर रहे थे, तभी डूब गए। इस हादसे में उनकी को-एक्ट्रेस श्वेता मिश्रा की जान बच गई। जांच में सामने आया कि प्रोडक्शन टीम ने न तो इजाजत ली थी और न ही प्रशासन को जानकारी दी थी। एक्टर की मौत पर बालासोर के एसपी ने बताया कि तलसरी पुलिस को दीघा पुलिस से सूचना मिली कि एक बंगाली अभिनेता की मौत हो गई और शव दीघा अस्पताल में है।

फर्जी बम धमकियां देने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पिछले कई महीनो से दिल्ली के स्कूलों और सरकारी दफ्तरों को बम की धमकी के मामले में आखिरकार पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने कर्नाटक के मैसूरु से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिस पर देशभर के स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को 1,100 से ज्यादा फर्जी बम धमकियां देने का आरोप है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

जैक लगा बिल्डिंग उठाने के दौरान हुआ हादसा, 3 लोगों की मौत

बरनाला, बरनाला में रविवार सुबह एक मकान के गिर जाने से 3 लोग उसके मलबे में दब गए। इस घटना में तीनों ही लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल दुर्घटनाग्रस्त मकान के अंदर ये तीनों सोए हुए थे।

बताया जाता है कि हादसे के बाद तीनों लोगों को मलबे से निकाला गया और नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पंजाब में अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, पांच घायल

बठिंडा बठिंडा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मचाना गांव के पास पेट्रोल पंप के नजदीक कार से सामने की टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई जबकि तीन महिलाओं समेत 5 गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बठिंडा के एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं एक अन्य हादसे में जगराते से लौटते समय कार टैंपो ट्रैवलर से टकरा गई। इस हादसे में मां-बेटा व पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है, जिसे हरियाणा के अस्पताल में भर्ती कराया है।

आदि शंकराचार्य ने मुकदमे नहीं, वाद-विवाद से रखी बातज्

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने धार्मिक वक्ता अनिरुद्धाचार्य के व्यक्तित्व अधिकारों को अंतरिम संरक्षण देते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि आलोचना और असहमति लोकतांत्रिक समाज का हिस्सा है, और जब तक कोई सामग्री स्पष्ट रूप से मानहानिकारक या अपमानजनक न हो, तब तक उस पर मुकदमा उचित नहीं माना जा सकता।

नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से दिया इस्तीफा, अभी बने रहेंगे सीएम

पटना,बिहार में सीएम नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। भले ही नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया हो लेकिन अभी वह बिहार के सीएम बने रहेंगे। नीतीश के इस्तीफे के बाद अब राज्य के नए सीएम को लेकर रेस तेज हो गई है। हाल ही में नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए चुने गए थे, जिसके बाद संवैधानिक नियमों के मुताबिक उन्हें 30 मार्च तक एमएलसी के पद से इस्तीफा देना था। बता दें नीतीश कुमार 2006 से लगातार विधान परिषद के सदस्य हैं। चौथी बार वह 7 मई, 2024 को विधान परिषद के सदस्य बने थे, जिसका कार्यकाल छह मई 2030 को पूरा होना था। इसी बीच नीतीश कुमार 16 मार्च 2026 को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। वह पहली बार हरनौत विधानसभा सीट से 1985 में विधायक चुने गए थे। इसके बाद नौवी लोकसभा के लिए 1989 में चुने गये। वह पहली बार राज्यसभा जा रहे हैं। नीतीश कुमार जल्द ही राज्यसभा सदस्य के तौर पर शपथ ले सकते हैं। वहीं बीजेपी के अध्यक्ष नितिन नबीन भी आज विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को ही विधानसभा से इस्तीफे का पत्र उन्हें दिए थे, जिसे मैं आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार को सौंप रहा हूं।

नितिन नबीन ने दिया इस्तीफा, बांकीपुर सीट पर 20 साल का सफर हुआ खत्म

। बिहार में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे को विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार ने स्वीकार कर लिया है। उनके साथ ही सीएम नीतीश कुमार ने भी बिहार विधान परिषद की सदस्यता छोड़ दी है। दोनों नेता हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। नितिन नबीन बिहार की बांकीपुर सीट से विधायक थे। वे लगातार पांच बार इसी सीट से जीतते हैं। दो हफ्ते पहले उन्हें राज्यसभा के लिए चुना गया था।

सीएम ममता ने खुद की हत्या की आंशका जाहिर की.........विपक्षी सांसदों का मिला साथ

सांसदों ने कहा, कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही

नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने मुद्दे पर चिंता जाहिर कर कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ममता पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा से प्रभावित हो चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। टीएमसी सांसद आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष ममता से क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव कुमार राय ने ममता के बयान का समर्थन कर कहा कि उन्होंने बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखकर ममता के बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि महाराष्ट्र में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर भी सपा सांसद राय ने प्रतिक्रिया दी।

धर्म की बात करने वाले प्रधानमंत्री सबरीमाला विवाद पर क्यों हैं खामोश

-राहुल गांधी ने पतनमतिट्टा रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी और एलडीएफ को घेरा

तिरुवनंतपुरम, । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल के पतनमतिट्टा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान बीजेपी और एलडीएफ सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे देशभर में मंदिरों और धर्म की बात करते हैं, लेकिन सबरीमाला से जुड़े विवादों पर चुप्पी साध लेते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संबोधन में सबरीमाला मंदिर का मुद्दा उठाते हुए वामपंथी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मंदिर की संपत्ति और पवित्रता के साथ खिलवाड़ किया गया है। राहुल ने आरोप लगाया कि अयप्पा मंदिर के सोने को बदलकर पीतल रख दिया गया, जो श्रद्धालुओं की आस्था के साथ धोखा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और एलडीएफ के बीच कथित संबंधों को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रभाव में केरल की एलडीएफ सरकार काम कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, जो लोग बीजेपी के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन पर हमले होते हैं और उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। उन्होंने अपने ऊपर हुए हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 36 मामले दर्ज हैं, जबकि केरल के मुख्यमंत्री पर बीजेपी की ओर से कोई कार्रवाई या हमला नहीं होता। राहुल ने इसे दोनों दलों के बीच अंदरूनी गठबंधन का संकेत बताया।

चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने यह भी कहा कि केरल की राजनीति में एक तरफ कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन है,

पेट्रोल पंपों पर भी मिलेगा केरोसिन केंद्र सरकार का बडा फैसला

नई दिल्ली मिडिल ईस्ट में ब?ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित बाधाओं को देखकर केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब राशन की दुकानों ;पीडीएसद्ध के पारंपरिक दायरे से बाहर निकलकर केरोसिन ;मिट्टी का तेलद्ध देश के चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर मिलेगा। केंद्र सरकार का यह कदम घरेलू ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को सुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया है। मोदी सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली ;पीडीएसद्ध के कठोर नियमों में 60 दिनों की विशेष ढील दी है। इस नई नीति के तहत व्यवस्था कुछ इस प्रकार होगी। प्रत्येक जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंपों का चुनाव करेगा। इन्हीं पंपों के माध्यम से केरोसिन का भंडारण और वितरण किया जाएगा। इन चिह्नित पेट्रोल पंपों को अधिकतम 5,000 लीटर तक केरोसिन का स्टॉक रखने की अनुमति दी गई है। केरोसिन बांटने वाले एजेंटों और डीलरों को फिलहाल लाइसेंस लेने की अनिवार्य प्रक्रिया से छूट दी गई है। साथ हीए टैंकरों से तेल उतारने ;सप्लाईद्ध के नियमों को भी सरल बनाया गया है।

यह निर्णय मुख्य रूप से अमेरिका.इजराइल और ईरान के बीच ब?ते संघर्ष के कारण लिया गया है। मिडिल ईस्ट ;मध्य पूर्वद्ध में जारी युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका है। भारत अपनी तेल जरूरतों का ब?ा हिस्सा आयात करता हैए इसलिए घरेलू बाजार में किसी भी तरह की कमी को रोकने के लिए सरकार ने अभी से एहतियाती कदम उठाए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में देश के भीतर ईंधन की कोई किल्लत नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा जारी आंक?ों के अनुसार सभी भारतीय रिफाइनरियां अपनी शीर्ष क्षमता पर कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

राज्यसभा से हो रही दिग्गी राजा की विदाई............. लेकिन सियासी गलियारों में अगले कदम पर नजर

सिंह की राज्यसभा की पारी अगले महीने समाप्त होने वाली है। लेकिन सियासी हलकों में बड़ा सवाल यही है कि राज्यसभा से विदाई के बाद वे क्या करने वाले हैं।

मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव रहे दिग्विजय कांग्रेस पार्टी के अहम सिपहसालार तथा रणनीतिकार की भूमिका में रहे हैं। वे भले ही 79 साल की उम्र में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन अनुशासित जीवनशैली ने उन्हें आज भी पूरी तरह से चुस्त और तंदुरुस्त बनाए रखा है। दिग्गी राजा के बेटे जयवर्द्धन सिंह मध्य प्रदेश की राजनीति में जड़ें जमा चुके हैं। इसके बाद अपने गृह प्रदेश में उनके लिए गुंजाइश थोड़ी कम हो गई है। राष्ट्रीय राजनीति में भी दिग्विजय के लायक कोई ओहदा खाली दिखाई नहीं दे रहा।बात दें कि सितंबर-अक्टूबर 2022 को पार्टी हाईकमान के खिलाफ अशोक गेहलोत की अप्रत्याशित बगावत ने दिग्विजय के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का 88वां अध्यक्ष बनने की राह अचानक से खोल दी थी। तब उन्हें राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर आनन-फानन में दिल्ली आना पड़ा था। यह सियासी विडंबना ही थी कि दिग्विजय ने जिस वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे से आशीर्वाद मांगा, कुछ घंटों बाद वे अध्यक्ष पद के लिए उन्हीं के नाम का अनुमोदन करते दिखाई दिए।

अनौपचारिक वार्ताओं में राहुल गांधी को यह मशविरा दिया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी की पैठ बनाने के लिए दिग्विजय की सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न साधु-संतों, गुरुओं और हिंदू धर्माचार्यों को जोड़ने वाले एक सेतु के रूप में हो सकता है।

ईरान युद्ध से भारत के 10.68 अरब डॉलर के कृषि और डेयरी निर्यात पर छाया संकट

-बासमती चावल, भैंस का मांस, फल और सब्जियां, मसाले, पर सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष से पैदा हुए भू-राजनीतिक तनाव ने भारत के कृषि और डेयरी निर्यात पर बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। खाड़ी और मध्य पूर्व के देशों को होने वाला 10.68 अरब डॉलर का निर्यात अब लॉजिस्टिक्स बाधाओं और बढ़ती लागत के चलते दबाव में आ गया है। वहीं स्ट्रेट ऑफ हॉर्मूज के बंद होने से लौट रहे मालवाहक जहाजों के लिए सरकार विशेष राहत उपाय भी लागू कर रही है।

दरअसल, मध्य पूर्व, विशेषकर गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देश जैसे यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत, कतर और बहरीन और इसके साथ ईरान, इराक और यमन, भारतीय कृषि और डेयरी उत्पादों के प्रमुख बाजार हैं। इन देशों में भारत के कुल कृषि निर्यात का करीब 20.5 फीसदी हिस्सा जाता है। करीब एक महीने बाद भी हालात सामान्य नहीं होने से भारतीय निर्यातकों पर संकट गहराने लगा है। बासमती चावल, भैंस का मांस, ताजे फल और सब्जियां, मसाले, डेयरी उत्पादों पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।

2 मार्च को सरकार ने च्सप्लाई चेन लचीलापनज् के लिए अंतर-मंत्रालयी समूह सक्रिय किया है। इसमें पोत परिवहन, पेट्रोलियम, वित्तीय सेवा, डीपीआईआईटी, सीबीआईसी, विदेश मंत्रालय और आरबीआई सहित कई एजेंसियां शामिल हैं। यह समूह नियमित समीक्षा बैठकों, दैनिक रिपोर्ट और निर्यातकों के लिए समर्पित संचार चैनल के जरिए हालात पर नजर रख रहा है। 19 मार्च को डीजीएफटी ने निर्यात जोखिम कम करने के लिए विशेष योजना शुरू की, जिसे ईसीजीसी के जरिए लागू किया जा रहा है। निर्यात दायित्व पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त 2026 तक बढ़ाई गई, वह भी बिना अतिरिक्त शुल्क के। सीमा शुल्क बोर्ड ने फंसे माल के लिए सरल कस्टम क्लीयरेंस, ट्रांजिट और री-एक्सपोर्ट की सुविधा दी।

अब ट्रेन बीच रास्ते में नहीं होगी खड़ी, यात्रा होगी और भी सुरक्षित

नई दिल्ली, भारतीय रेलवे ने यात्रा को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए नई तकनीक का इस्?तेमाल किया है। इतना ही नहीं ये तकनीक सफर में लगने वाले समय को भी कम करेंगी। इन्हीं में से एक मार्डन एक्सल काउंटर तकनीक (एमएसडीएसी) है जो यूपी के महोबा के पास ट्रैक पर लगाई गई है। इस नई तकनीक के इस्?तेमाल से सिग्नलिंग व्यवस्था और भी मजबूत और भरोसेमंद होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्?तर मध्?य रेलवे के झांसी डिवीजन के महोबा रेलवे स्टेशन के यार्ड में सिग्नल तकनीक की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए अहम काम पूरा कर लिया गया है। महोबा यार्ड में रस्टि रेल ट्रैक सर्किट को आधुनिक एमएसडीएसी के तहत से लगाया गया है। इस नई तकनीक के स्थापित होने से ट्रैक ऑक्यूपेंसी की सटीक होगी और सिग्नलिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता और बढ़ेगी, जिससे ट्रेन ऑपरेशन और ज्यादा सुरक्षित और सुचारु रूप से किया जा सकेगा।

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी कीमती धातुओं की चाल

नई दिल्ली। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सप्ताह सोना और चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निगाह बनाए रखेंगे। इन कारकों से कीमती धातुओं की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों के अनुसार इस हफ्ते अमेरिकी फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल और अन्य फेड अधिकारियों के बयान खास महत्व रखते हैं। ये बयान ब्याज दरों और मौद्रिक नीति से जुड़े संकेत देंगे, जो सोने और चांदी की मांग पर असर डाल सकते हैं।

अप्रैल में भारत में लॉन्च हो रही नई कारें

नई दिल्ली। जर्मन कार निर्माता फॉक्सवैगन अप्रैल 2026 में अपनी अपडेटेड टाइगुन फेसलिफ्ट लॉन्च करने जा रही है। नई टाइगुन में ग्राहकों को आकर्षक नया डिजाइन और उन्नत फीचर्स मिलेंगे। हालांकि, इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह कार 9 अप्रैल 2026 से भारतीय बाजार में उपलब्ध होगी। टाइगुन फेसलिफ्ट विशेष रूप से शहर में आरामदायक ड्राइव और आधुनिक तकनीक के लिए बनाई गई है। एमजी मोटर अप्रैल में अपनी नई एमजी मेजेस्टर को ऑफिशियली लॉन्च करेगी। इसे पहले जनवरी 2026 में पेश किया जा चुका है।

कच्चे तेज की आंच से झुलसे एशियाई बाजार

नई दिल्ली। ईरान में जारी युद्ध और तेल कीमतों में तेज बढ़ोतरी की चिंता के बीच सोमवार सुबह एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली। एशियाई बाजारों में यह गिरावट पिछले शुक्रवार वॉल स्ट्रीट में आई बड़ी गिरावट के बाद देखने को मिली, जहां लगातार पांचवें सप्ताह बाजार नुकसान में बंद हुआ, जो लगभग चार साल में सबसे लंबा गिरावट का सिलसिला है। जापान का प्रमुख सूचकांक निक्केई 225 सुबह के कारोबार में 4.5 फीसदी गिरकर 50,979.54 पर आ गया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 1.2 फीसदी गिरकर 8,417.00 पर पहुंच गया।

डीजीसीए का आदेश, सभी उड़ानों में 60 फीसदी सीटें बिना शुल्क उपलब्ध

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घोषणा की है कि 20 अप्रैल से सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को न्यायसंगत सुविधा देना और सीट आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि विमानन कंपनियों को अपनी सीट आवंटन नीतियों को पारदर्शी बनाना होगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद , निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपए डूबे

सेंसेक्स 1635, निफ्टी 488 अंक गिरा

मुंबई। शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी सत्र में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,635.67 अंक टूटकर 71,947.55 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 488.20 अंक नीचे आकर 2.14 22,331.40 पर बंद हुआ। बाजार में चारों ओर गिरावट रही। सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी रियल्टी), निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी मीडिया और निफ्टी ऑटो की कमजोरी के साथ बंद हुआ। वहीं लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,447.80 अंक टूटकर 52,650 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 416.20 अंक नीचे आकर 15,203.80 पर था।

सेंसेक्स पैक में 30 में से केवल दो शेयर ही लाभ के साथ ऊपर आये। बजाज फाइनेंस, एसबीआई, इंडिगो, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा और एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड के शेयर ही लाभ पर बंद हुए। बीएसई पर आज सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 10 लाख करोड़ रुपए कम होकर 412 लाख करोड़ रुपए हो गया है जबकि ये शुक्रवार को 422 लाख करोड़ रुपए था। इस प्रकार निवेशकों को 10 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। बाजार में गिरावट को कारण मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता हुआ तनाव है, जिससे भी निवेशक बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। कारोबार के दौरान निफ्टी 50 करीब 0.70 फीसदी यानी लगभग 160 अंक गिरकर 22,659.60 पर ट्रेड करता दिखा। वहीं बीएसई सेंसेक्स भी 514 अंक टूटकर 73,069.21 के स्तर पर रहा। वैश्विक बाजारों से भी नकारात्मक संकेत मिले। कच्चे तेल के दामों में तेजी आई है, जहां ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। मुध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सप्लाई को लेकर चिंता इसके प्रमुख कारण हैं। एशियाई बाजारों में भी भारी गिरावट रही। कोस्पी में 5 फीसदी से ज्यादा, निक्केई 225 में 4 फीसदी से अधिक और सीएसई 300 में भी कमजोरी देखी गई।

अमेरिकी बाजार भी दबाव में बंद हुए, जहां एसएंडपी 500 और डाउ जोंस इंडस्ट्रीयल एवरेज में गिरावट दर्ज की गई। इस बीच आईपीओ बाजार में सुस्ती बनी हुई है।

रुपए में ऐतिहासिक गिरावट...
करेंसी मार्केट में हाहाकार!

1 डॉलर की कीमत हुई 95.58 रूपए

नई दिल्ली। जब सुबह के समय रुपए में 128 पैसे की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी। तब किसी को भी ऐसी उम्मीद नहीं थी कि रुपया एक बार फिर से धराशाई हो जाएगा। लेकिन दोपहर आते आते करेंसी मार्केट ने ऐसी चाल बदली कि सभी हैरान रह गए। पहली बार डॉलर के मुकाबले में ना सिर्फ 95 के लेवल के पार चला गया बल्कि नया लाइफ टाइम लोअर लेवल का रिकॉर्ड 1 डॉलर की कीमत 95.58 भी बना दिया। खास बात तो ये है कि दिन के हाई से रुपए में 2.33 रुपए की गिरावट देखने को मिली। रुपए में आई गिरावट की वजह से शेयर बाजार भी धराशाई होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों को देखें तो आने वाले दिनों में रुपए में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है।

डॉलर के मुकाबले में रुपए में सोमवार को दोपहर के बाद जबरदस्त गिरावट दिखाई दी और पहली बार ना सिर्फ 95 के लेवल के पार चला गया, बल्कि एक नए रिकॉर्ड लोअर लेवल पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार डॉलर के मुकाबले में रुपया दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ 95.157 के लेवल पर कारोबार कर रहा था। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले में 95.58 के लेवल के साथ लाइफ टाइम लोअर लेवल पर कारोबार करता हुआ दिखाई। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में डॉलर के मुकाबले में रुपए में और गिरावट देखने को मिल सकती है। दिन के हाई से 2.33 रुपए गिरा रुपया आंकड़ों को देखें तो रुपए में डॉलर के मुकाबले में काफी गिरावट देखने को मिल चुकी है। आंकड़ों के अनुसार रुपया 93.247 के लेवल के साथ मजबूत हो गया था। लेकिन कारोबारी सत्र के दौरान रुपए में डॉलर के मुकाबले में 2.33 रुपए की गिरावट देखने को मिली और आंकड़ा 95.58 के लेवल पर पहुंच गया। खास बात तो ये कि करीब एक साल में रुपए में डॉलर के मुकाबले में करीब 12 रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है। इंटरबैंक फॉरिन एक्सचेंज में, रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और मजबूत होकर 93.57 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर से 128 पैसे की बढ़त थी।

अनिश्चित वैश्विक माहौल में निवेशकों के लिए संतुलित रणनीति जरूरी

- विशेषज्ञों की सलाह, घबराने के बजाय बाजार में बने रहें, इक्विटी के साथ सोना और सुरक्षित निवेश भी रखें

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, तनाव और बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने यह बड़ा सवाल है कि आखिर पैसा कहां लगाया जाए। ऐसे माहौल में बाजार विशेषज्ञों की राय है कि घबराने के बजाय सोच-समझकर निवेश करना और शेयर बाजार में बने रहना ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय और वैश्विक बाजारों पर कई नकारात्मक कारकों का असर पड़ा। व्यापार युद्ध की आशंकाएं, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सोना-चांदी में तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े बदलावों के कारण आईटी शेयरों में दबाव देखने को मिला। विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से पूंजी निकालने से रुपये में भी कमजोरी आई और यह डॉलर के मुकाबले 94 के पार चला गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक दबाव लंबे समय तक नहीं रहेंगे और आने वाले महीनों में स्थिति कुछ हद तक सामान्य हो सकती है। हालांकि, महंगाई के 6 प्रतिशत से ऊपर रहने की संभावना के कारण ब्याज दरों में कटौती फिलहाल टल सकती है, जिससे आर्थिक वृद्धि की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। निवेश रणनीति को लेकर विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो का लगभग 60 से 65 प्रतिशत हिस्सा शेयर बाजार में रखें। भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद, बढ़ता पूंजी निवेश और सुदृढ़ बैंकिंग प्रणाली भविष्य में बेहतर रिटर्न की संभावना दिखाते हैं।

इलेक्ट्रिक एसयूवी टोयोटा अर्बन क्रूजर इबेला पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कार निर्माता कंपनी टोयोटा ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी टोयोटा अर्बन क्रूजर इबेला को पेश कर दिया है। यह मॉडल सुजुकी के साथ मिलकर डेवलप किया गया है और हर्टेक्ट ई स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म पर आधारित है। मिडसाइज सेगमेंट में उतारी गई यह फीचर-लोडेड ईवी जल्द ही कीमत के साथ लॉन्च की जाएगी।

इसका निर्माण गुजरात स्थित प्लांट में किया जा रहा है। बाजार में इसका मुकाबला मारुति सुजुकी ई विटारा, हयूंदै क्रेटा इलेक्ट्रिक, एमजी झेडएस ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी 400 और टाटा कर्व ईवी जैसे मॉडलों से होगा। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। पहला 49 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक है, जो करीब 142 बीएचपी की पावर देता है, जबकि दूसरा 61 केडब्ल्यूएच का बड़ा बैटरी पैक है, जो लगभग 171.5 बीएचपी की पावर और 189 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। बड़ी बैटरी के साथ कंपनी ने 543 किलोमीटर तक की रेंज का दावा किया है। दोनों वेरिएंट में एसी चार्जिंग के साथ सीसीएस2 डीसी फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा। इंटीरियर की बात करें तो इसमें 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जिसमें वायरलेस कनेक्टिविटी मौजूद है। टॉप वेरिएंट में वेंटिलेटेड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग, पैनोरमिक ग्लास रूफ, वायरलेस चार्जिंग और जेबीएल साउंड सिस्टम जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलते हैं। रियर सीट्स में स्लाइड और रिक्लाइन फंक्शन भी दिया गया है। कीमत की बात करें तो इसकी एक्स-शोरूम कीमत 17 लाख से 21 लाख रुपये के बीच रहने का अनुमान है। कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है और ग्राहकों को 8 साल की बैटरी वारंटी और अन्य ओनरशिप बेनिफिट्स भी मिलेंगे। सेफ्टी के लिए एसयूवी में 7 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और मजबूत बॉडी स्ट्रक्चर के साथ अडास फीचर्स जैसे अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट और 360 डिग्री कैमरा शामिल हैं। डिजाइन के मामले में इसमें एलईडी लाइटिंग, 18 इंच अलॉय व्हील्स और डुअल-टोन कलर स्कीम दी गई है।

टाटा सियेरा एसयूवी का बढता जा रहा वेटिंग पीरियड

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स की टाटा सियेरा को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस एसयूवी की डिलीवरी का वेटिंग पीरियड लगातार बढ़ता जा रहा है।

हाल ही में कंपनी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें गुजरात के अहमदाबाद में एक डीलर द्वारा एक ही दिन में 101 सिएरा एसयूवी की डिलीवरी करते हुए दिखाया गया है। वीडियो में भव्य डिलीवरी सेरेमनी का आयोजन नजर आता है, जहां ग्राहकों को औपचारिक तरीके से चाबियां सौंपी जाती हैं और वे अपनी नई कार लेकर निकलते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब इतनी बड़ी संख्या में डिलीवरी की गई हो। इससे पहले मध्य प्रदेश में भी एक दिन में 100 से ज्यादा यूनिट्स की डिलीवरी हो चुकी है। जनवरी 2026 से शुरू हुई डिलीवरी के बाद अब तक 14 हजार से अधिक यूनिट्स ग्राहकों तक पहुंचाई जा चुकी हैं। इंजन विकल्पों की बात करें तो टाटा सियेरा तीन अलग-अलग इंजन ऑप्शन के साथ आती है।

इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन, 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 1.5 लीटर टर्बो डीजल इंजन शामिल हैं, जो अलग-अलग पावर और टॉर्क आउटपुट के साथ उपलब्ध हैं। ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प चुन सकते हैं। फीचर्स के मामले में भी यह एसयूवी काफी एडवांस है। इसमें बड़ा पैनोरमिक सनरूफ, ट्रिपल-डिस्प्ले सेटअप, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड सीट्स और लेवल-2 अडास जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा 6 एयरबैग, एलईडी हेडलाइट्स और इलेक्ट्रिक टेलगेट जैसी सेफ्टी और कंफर्ट सुविधाएं भी शामिल हैं।

तीन नई एसयूवी लॉन्च करेगी किआ इंडिया कंपनी

नई दिल्ली । कार निर्माता कंपनी किआ इंडिया अब अपने प्रोडक्ट लाइनअप को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। किआ इंडिया कंपनी जल्द ही तीन नई एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में है, जिनमें हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक विकल्प भी शामिल होंगे। किआ की आने वाली गाड़ियों में किआ सोरेंटो हायब्रिड, किआ सेल्टोस जीटीएक्स प्लस और किआ सिरोज ईवी प्रमुख हैं। सोरेंटो हाइब्रिड को कंपनी इस साल के अंत तक लॉन्च कर सकती है।

यह 7-सीटर एसयूवी होगी और भारत में किआ की पहली हाइब्रिड पेशकश मानी जा रही है। इसमें प्रीमियम डिजाइन, बड़े टचस्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स मिलने की संभावना है। इसकी कीमत 20 से 30 लाख रुपये के बीच हो सकती है। वहीं, कंपनी अपनी लोकप्रिय किआ सेल्टोस का नया टॉप-एंड वेरिएंट जीटीएक्स प्लस भी पेश करने जा रही है। इस वेरिएंट में लेवल-2 अडास और बेहतर सेमी-ऑटोनॉमस ड्राइविंग फीचर्स जोड़े जा सकते हैं। साथ ही, इसमें स्पोर्टी डिजाइन और नए कॉस्मेटिक अपडेट देखने को मिलेंगे, जबकि इंजन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। इसके अलावा किआ सिरोस ईवी भी जल्द बाजार में दस्तक दे सकती है। यह के1 प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसमें 42 केडब्ल्यूएच और 49 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक विकल्प मिलने की संभावना है। इसकी रेंज करीब 369 किलोमीटर तक हो सकती है और कीमत 15 से 20 लाख रुपये के बीच रहने की उम्मीद है।

सरकार ने पीडीएस में केरोसिन आवंटन बढ़ाया, अफवाहों पर नियंत्रण

- घरों में खाना और रोशनी के लिए केरोसिन उपलब्ध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और संभावित आपूर्ति बाधा को ध्यान में रखते हुए सुपीरियर केरोसिन ऑयल (एसकेओ) का तदर्थ आवंटन मंजूर किया है। यह घरों में खाना बनाने और रोशनी के लिए जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। पहले केरोसिन मुक्त माने जाने वाले 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी अब इस व्यवस्था में शामिल किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति के लिए कई जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर मांग पूरी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी के वितरण के लिए सरकार के निर्देशों के अनुसार आदेश जारी किए हैं। 14 मार्च 2026 के बाद अब तक लगभग 39,368 मीट्रिक टन एलपीजी कमर्शियल उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित आवंटन के अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन दिया गया है। 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एसकेओ आवंटन आदेश जारी किए हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और लद्दाख ने इसकी आवश्यकता नहीं बताई। कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ और जरूरत से ज्यादा खरीदारी हुई। सरकार ने कहा कि देश में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सही जानकारी के लिए प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर भरोसा करने की अपील की गई है। वर्तमान में 14 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश यह नियमित जानकारी साझा कर रहे हैं।

ऑटो सेक्टर में तेज रफ्तार, मार्च 2026 में मजबूत बिक्री की उम्मीद

- ग्राहक मांग, आसान फाइनेंसिंग और ग्रामीण मजबूती से सभी सेगमेंट में ग्रोथ

नई दिल्ली। ऑटो सेक्टर में इस समय जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है और मार्च 2026 कंपनियों के लिए मजबूत कमाई का संकेत दे रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी महीने में लगभग सभी ऑटो सेगमेंट में अच्छी ग्रोथ दर्ज होने की संभावना है। बेहतर ग्राहक भावना, बढ़ती आय और आसान फाइनेंसिंग के चलते बाजार में मांग लगातार बनी हुई है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में खास मजबूती दिख रही है। प्रमुख कंपनियों की रिटेल बिक्री में करीब 15 प्रतिशत की सालाना बढ़त का अनुमान है, जबकि थोक बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत उछाल संभव है। म?हिंद्रा एंड म?हिंद्रा और टाटा मोटर्स को नए मॉडल्स से फायदा मिल रहा है, वहीं मांग मजबूत है, हालांकि उत्पादन सीमाएं थोड़ी चुनौती बनी हुई हैं। दोपहिया सेगमेंट में भी तेजी कायम है। शादी के सीजन और पिछले साल के कम आधार के कारण बिक्री में करीब 21 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान है। हालांकि रायल इनफील्ड पर निर्यात दबाव का असर देखा जा सकता है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी मांग मजबूत बनी हुई है, जहां लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। माल ढुलाई की बढ़ती जरूरत इस ग्रोथ को सपोर्ट कर रही है। सबसे ज्यादा तेजी ट्रैक्टर सेगमेंट में देखने को मिल रही है। अच्छी बारिश, बेहतर फसल और किसानों की आय में सुधार से ग्रामीण मांग मजबूत हुई है। साथ ही, जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से लागत कम हुई है, जिससे बिक्री में करीब 23 प्रतिशत की बढ़त संभव है।

फासवेगन के नए और अपडेटेड मॉडल लांच होंगे बाजार में

नई दिल्ली। फाक्सवेगन कंपनी भारतीय बाजार में लगातार नई रणनीतियों पर काम कर रही है। कंपनी कुछ नए और अपडेटेड मॉडल पेश करने की तैयारी में है। ये नए और अपडेटेड मॉडल ग्राहकों की बदलती जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए लॉन्च किए जाएंगे। फॉक्सवैगन की प्रमुख एसयूवी टायरोन का किफायती संस्करण जल्द भारत में देखने को मिल सकता है। फिलहाल बाजार में इसका उच्च श्रेणी वाला आर-लाइन मॉडल उपलब्ध है, जिसकी कीमत अधिक है। कंपनी अब इसका कम सुविधाओं वाला संस्करण लाने की तैयारी कर रही है, जिसमें वही इंजन दिया जाएगा, लेकिन शक्ति और कुछ विशेष सुविधाएं कम हो सकती हैं, जिससे यह ज्यादा ग्राहकों की पहुंच में आए। पिछले साल लॉन्च हुई फाक्सवेगन गोल्फ जीटीआई को भारतीय बाजार में शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। इसकी सीमित संख्या में आई गाड़ियां बहुत जल्दी बिक गईं। कंपनी अब इसका नया बैच पेश करने की योजना बना रही है, जिसमें कुछ अतिरिक्त सुविधाएं भी जोड़ी जा सकती हैं। यह कार दमदार इंजन और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जानी जाती है, जिससे कार प्रेमियों के बीच इसका आकर्षण बरकरार रहेगा। इसके अलावा, लोकप्रिय एसयूवी फाक्सवेगन टाइगुन का नया संस्करण भी जल्द बाजार में आ सकता है। परीक्षण के दौरान इसका नया रूप कई बार देखा गया है। इसमें बाहरी डिजाइन में बदलाव के साथ नई ग्रिल, हेडलाइट, बंपर और पहियों का नया स्वरूप देखने को मिल सकता है। अंदरूनी हिस्से में भी कई आधुनिक सुविधाएं जोड़ी जा सकती हैं।

इसके अलावा इसमें अलग-अलग इंजन विकल्प दिए जाएंगे, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार विकल्प चुन सकेंगे।

जिला सलाहकार समिति की बैठक आज

सतना गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी एण्ड पीएनडीटी) के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक 31 मार्च को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सतना में दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है।

संकल्प से समाधान अभियान के जिला स्तरीय शिविर में हितलाभ वितरित

सतना संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिला पंचायत सतना में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह सहित जिला पंचायत के सदस्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह, की उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

जनसुनवाई को अधिक प्रभावी और जनोन्मुख बनाने की पहल

सीधी जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुख बनाया गया है। कलेक्टर द्वारा किए गए नवाचारों के माध्यम से अब जनसुनवाई को सरल, पारदर्शी और परिणाममुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। नई व्यवस्था के तहत जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों को आवेदन लिखने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालेंटियर्स की सहायता ली जाएगी, जिससे अशिक्षित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को अपनी समस्या लिखवाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

प्राप्त सभी आवेदनों को तत्काल जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा तथा प्रत्येक आवेदक को टोकन/पावती प्रदान किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी और आवेदन की स्थिति का आसानी से पता लगाया जा सकेगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि 50 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण उसी दिन सुनिश्चित किया जाए।

अवैध रेत उत्खनन पर प्रशासन सख्त, मार्ग अवरुद्ध कर की गई कार्रवाई

सीधी कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री विकास मिश्रा के निर्देशानुसार तथा जिला खनिज अधिकारी श्री कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी खनि निरीक्षक श्री शिशिर यादव एवं श्री देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में खनिज विभाग एवं थाना कुसमी के संयुक्त दल द्वारा ग्राम गोतरा स्थित गोपद नदी घाटों में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्रवाई की गई।

1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव के साथ 4 अप्रैल तक चलेगा 'स्कूल चलें हम' अभियान,

सतना नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ के साथ जिले में 01 से 04 अप्रैल तक +स्कूल चलें हम+ अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत 01 अप्रैल को सभी विद्यालयों एवं जिला स्तर पर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं साइकिल का वितरण किया जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान भी किया जाएगा तथा शाला से बाहर रहे बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। 02 अप्रैल को पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन कर उनका विद्यालय से जुड़ाव बढ़ाया जाएगा। इस दौरान शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

जनहित सर्वोपरि, राजस्व कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त :कलेक्टर

राजस्व व्यवस्था में सुधार का रोडमैप तैयार, कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

समय-सीमा में निराकरण, पारदर्शिता और जवाबदेही अनिवार्यकृहर स्तर पर मॉनिटरिंग, अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश

सीधी जिले में राजस्व कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुख बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने राजस्व अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि फील्ड स्तर पर व्याप्त नकारात्मकता को समाप्त कर सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित की जाए तथा आमजन के साथ स्वस्थ और संवेदनशील संवाद को प्राथमिकता दी जाए।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अपर कलेक्टर को समस्त कार्यों की लीड भूमिका सौंपते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग और बेहतर समन्वय के निर्देश दिए, ताकि कार्यों में गति और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रत्येक मंगलवार को सभी राजस्व अधिकारी अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में उपस्थित रहेंगे और लंबित प्रकरणों के निराकरण सहित कार्यालयीन कार्यों पर विशेष ध्यान देंगे।राजस्व न्यायालयों में नियमित सुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही न्यायालय परिसरों में लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश दिए गए, जिससे अधिकारियों को अध्ययन एवं संदर्भ सामग्री उपलब्ध हो सके। नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन से संबंधित प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 31 मार्च 2025 तक निराकृत प्रकरणों का 30 जून 2026 तक अभिलेखों में अनिवार्य रूप से अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। आई-गॉट (पळव्ज) प्लेटफॉर्म पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक माह दो विषयों पर राजस्व अधिकारियों के प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। रीडरों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के प्रशिक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा प्रतिदिन समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए गए।

गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

परिजनों ने ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

सीधी। जिले के सेमरिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोठार में एक गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतिका के मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना और लापरवाही के गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका दिव्या सिंह बघेल 28 वर्ष पति विजय बहादुर सिंहए निवासी ग्राम कोठारए सेमरिया की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद मौत हो गई। बताया गया कि दिव्या सिंह की शादी जुलाई 2024 में विजय बहादुर सिंह के साथ हुई थी। दिव्या मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के हलिया थाना क्षेत्र के ग्राम सुबाव की रहने वाली थीं। मृतिका के मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही दिव्या को दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जाता था और उसके साथ मारपीट की जाती थी। परिजनों का कहना है कि ससुराल पक्ष द्वारा उसे अपने मायके वालों से खुलकर बात करने की भी अनुमति नहीं दी जाती थी। बताया गया कि घटना से एक दिन पहले दिव्या की अपनी मां से फोन पर बातचीत हुई थीए जिसमें उसने पेट में तेज दर्द होने की बात कही थी। परिजनों के अनुसार दिव्या ने बताया था कि उसे पिछले दिन से ही दर्द हो रहा थाए लेकिन उसे किसी डॉक्टर के पास नहीं ले जाया गयाए जबकि कोठार से सेमरिया स्वास्थ्य केंद काफी नजदीक है और वहां आसानी से उपचार कराया जा सकता था। परिजनों का कहना है कि हालत ज्यादा बिगड़ने के बाद गुरुवार दोपहर करीब 12रु30 बजे उसे जिला अस्पताल सीधी लाया गयाए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतिका के मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए। मृतिका के पिता ब्रह्मदेव सिंह गहरवारए भाई राहुल सिंह तथा अन्य परिजन रुद्र देव सिंह और रंजीत सिंह बघेल ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी की मौत सामान्य नहीं है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है।

डॉ. चौरसिया शतरंज में दोहरी चैंपियन शिप पर जमाया कब्जा

मैहर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय कन्या महाविद्यालय सागर में आयोजित उच्च शिक्षा विभाग की राज्यस्तरीय शतरंज विधा की चैंपियन शिप राज्यस्तरीय विधि महाविद्यालय के डॉ. बृजेश कुमार चौरसिया ने दोहरी चैंपियनशिप पर कब्जा किया। डॉ. बृजेश चौरसिया ने उच्च शिक्षा विभाग की राज्यस्तरीय चैंपियन शिप को लगातार 28 वीं बार जीतने वाले अकेले शिक्षक हैं। उन्होंने अब तक अपराजेय रहते हुए सतत रूप से चैंपियन शिप पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। हमेशा की तरह इस बार भी उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ साथ टीम चैंपियनशिप का भी पदक अपने नाम किया। डॉ. बृजेश कुमार चौरसिया प्रतियोगिता में अकेले ऐसे व्यक्ति थे जिनकी ईएलओ रेटिंग 2137 ए रैपिड रेटिंग 2042 एवं ब्लिट्ज रेटिंग 2037 थी।

आस्था के साथ मनाई गई भगवान महावीर की जयंती

मैहर। सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह के भगवान महावीर की जयंती सोमवार को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सुबह 7 बजे स्थानीय श्री दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान का अत्यंत भक्ति भाव से अभिषेक और शांतिधारा संपन्न की गई। इसके पश्चात सकल जैन समाज द्वारा सामूहिक पूजन कर विश्व शांति की कामना की गई। नगर भ्रमण पर निकले प्रभु पूजन के उपरांत सुबह 8 बजे भगवान जी को भव्य पालकी में विराजमान किया गया। श्री दिगंबर जैन मंदिर से प्रभु की शांतिपूर्ण प्रभात फेरी शुरू हुई जो नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। पालकी यात्रा में भगवान के जयकारों से पूरा मैहर नगर गूंज उठा। इस पावन अवसर पर जिनेश्वर दास जैन, डॉ. कैलाशचंद्र जैन, रजनीश जैन, रमेश जैन, जितेश जैन, सुनील जैन, प्रमोद जैन, जयंत जैन, सुबोध जैन, संजय जैन एवं प्रभात जैन उपस्थित रहे।

सीएमओ ने वार्ड क्रमांक 4 का दौरा कर सुनी समस्याएं

सीधी। नगर पालिका परिषद सीधी की मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक ने सोमवार सुबह वार्ड क्रमांक 4 के बस्ती का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बस्तीवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मुद्दों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। दौरे के दौरान बस्तीवासियों ने आवासए भूमि पट्टाए मूलभूत सुविधाओं तथा महिलाओं के रोजगार से जुड़ी समस्याएं सीएमओ के समक्ष रखीं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि लंबे समय से कई परिवार मूलभूत सुविधाओं और स्थायी आवास की समस्या से जूझ रहे हैं। इस अवसर पर वंचित शोषित सामाजिक संगठन सीधी की अध्यक्ष कुण् भारती बख्शी ने बस्तीवासियों की ओर से एक ज्ञापन सीएमओ को सौंपा। ज्ञापन में गरीब और जरूरतमंद परिवारों की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई। बस्ती के प्रमुख नागरिकों में बाबूलालए राममनोहर और नरेंद्र सहित अन्य लोग भी मौके पर मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं।

सीएमओ ने आवेदन का अवलोकन करते हुए कहा कि संबंधित समस्याओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उनके इस आश्वासन से बस्तीवासियों में उम्मीद की नई किरण जगी है।

सीएम हेल्पलाइन समाधान या सिर्फ आंकड़ों का खेल सरकार पर तीखा हमला

मैहर प्रदेश सरकार द्वारा आम जनता की शिकायतों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से शुरू की गई सीएम हेल्पलाइन योजना आज गंभीर सवालों के घेरे में है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने इस योजना की कार्यप्रणाली पर तीखा प्रहार करते हुए इसे जनता के विश्वास के साथ छल बताया है। उन्होंने कहा कि वर्षों से संचालित इस योजना का वास्तविक मूल्यांकन सरकार ने कभी ईमानदारी से नहीं किया। कागजों में भले ही लाखों शिकायतों के निराकरण के दावे किए जा रहे हों लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है।प्रभात द्विवेदी ने आरोप लगाया कि आज की स्थिति यह है कि जैसे ही कोई आम नागरिक शिकायत दर्ज करता है संबंधित विभाग के अधिकारी एकजुट होकर शिकायतकर्ता पर दबाव बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि कई मामलों में शिकायतकर्ता को फोन कर याव्यक्तिगत रूप से संपर्क कर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जाता है या फिर बिना वास्तविक समाधान के ही शिकायत को फोर्स क्लोज कर दिया जाता है। फोर्स क्लोज प्रक्रिया को उन्होंने शिकायत की मूल आत्मा पर प्रहार करार दिया। प्रभात द्विवेदी ने कहा कि शुरुआत में यह योजना आम जनता के लिए आशा की किरण थी लेकिन अब यह भरोसे के संकट में बदलती जा रही हैजब शिकायत करने वाला ही डर जाए तो लोकतंत्र का क्या अर्थ रह जाता हैग्उन्होंने सरकार से मांग की किफोर्स क्लोज प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगे शिकायतकर्ता की सहमति के बिना कोई शिकायत बंद न की जाए पूरी योजना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए।

उपखंड अधिकारी ने की गेहूं उपार्जन के तैयारियों की समीक्षा

उपखंड स्तरीय उपार्जन समिति की बैठक संपन्न

सिंगरौली उपखंड अधिकारी सिंगरौली सुरेश जाधव की अध्यक्षता में तहसील सभागार में उपखंड स्तरीय उपार्जन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में गेहूं उपार्जन के संबंध में उपार्जन केंद्र पर आवश्यक तैयारी की समीक्षा की गई तथा उपार्जन नीति अनुसार गेहूंए चनाए मसूर का उपार्जन करने संबंधी दिशा निर्देश जारी किए गए।एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पूर्व सुनिश्चित की जाएंए ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने तौल कांटेए बारदान उपलब्धता ए उपार्जन पश्चात परिवहनए भंडारण तथा पेयजल एवं छाया जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि जिले में निर्धारित उपार्जन केंद्रों पर पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की जाएगी। उन्होंने ने कहा कि उपार्जन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सुगमता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपार्जन कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा समय.समय पर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग की जाए।

गांव–गांव पहुंचेगी प्रशासनिक व्यवस्था, कैंप लगाकर होगी समस्याओं की सुनवाई: कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर कलेक्टर का फोकस

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी समय-सीमा में प्राप्त प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में आमजन को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक अनावश्यक रूप से न आना पड़े, इसके लिए प्रशासन को उनके निकट पहुंचकर कार्य करना होगा। इसी उद्देश्य से प्रत्येक माह दो जिलास्तरीय कैंपों का आयोजन किया जाएगा, वहीं विकासखंड स्तर पर एसडीएम द्वारा नियमित रूप से शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में ही लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।बैठक में कलेक्टर ने जिले की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि जिला मुख्य रूप से ग्रामीण है और अधिकांश लोग कृषि आधारित गतिविधियों से जुड़े हैं। ऐसे में अधिकारियों को किसानों और ग्रामीणों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे तथा संबंधित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा।

माधवगढ़ में सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन

सतना प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शहीद पद्मधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के द्वितीय दिवस ग्राम माधवगढ़ में उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत गीत एवं +वंदे मातरम+ की प्रस्तुति से वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया। महिला कार्यक्रम अधिकारी एवं शिविर समन्वयक डॉ. गरिमा सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. सी. राय, शिविर स्थल शासकीय पद्मधर उच्च माध्यमिक विद्यालय माधवगढ़ के प्राचार्य अनिल सोनी तथा एनएसएस के जिला संगठक एवं शिविर निदेशक डॉ. क्रांति मिश्रा भी मौजूद रहे।

विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह ने स्वयंसेवकों को सहयोग, एकता और व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देने की प्रेरणा दी। उन्होंने जल संरक्षण और गंगाजल संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी अपने विचार रखे। सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना की निरंतर यात्रा पर प्रकाश डालते हुए छात्र जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए स्वयंसेवकों को अनुशासन, सेवा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। साथ ही प्रश्न मंच के माध्यम से स्वयंसेवकों का ज्ञानवर्धन करते हुए उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. सी. राय ने स्वयंसेवकों को समाज सेवा से जुड़कर व्यक्तित्व विकास करने की सलाह दी और जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। जिला संगठक डॉ. क्रांति मिश्रा ने स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए शिविर अनुभव साझा किए तथा गतिविधियों को डायरी में दर्ज करने की उपयोगिता बताई।

नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

सिंगरौली । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषदए जिला सिंगरौली के तत्वावधान में नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं की एक दिवसीय जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन चितरंगी स्थित कुडैनिया उद्यानिकी विभाग में संपन्न हुआ।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति में भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संभाग समन्वयक प्रवीण पाठकए एसडीओ रामसेवक कोलए जिला समन्वयक राजकुमार विश्वकर्माए सरपंच प्रतिनिधि सुष्मिता सिंह एवं विकास खंड समन्वयक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संभाग समन्वयक पाठक ने नवांकुर संस्थाओं और परामर्शदाताओं द्वारा जनवरी से मार्च माह तक किए गए कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में आगामी लक्ष्यों को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए उन्होंने जल गंगा अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत सभी सेक्टरों में जल संवर्धन गतिविधियों को सक्रियता से संचालित करने के निर्देश दिए । साथ ही आगामी मानसून सत्र जुलाई.अगस्त को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक नवांकुर संस्था को अभी से सेक्टर स्तर पर नर्सरी तैयार करने को कहा गयाए ताकि समय पर पौधरोपण हेतु पौधे उपलब्ध हो सकें। जिला समन्वयक राजकुमार विश्वकर्मा ने आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए सभी को निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूर्ण करने हेतु प्रशिक्षित किया।

मन एक भीरु शत्रु है जो सदैव पीठ के पीछे से वार करता है।
- प्रेमचंद

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी के कारण संकट में

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बड़ा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही है। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा करके दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पर्दाफाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में मंहगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

अहिंसा सत्य और अपरिग्रह के मार्गदर्शक भगवान महावीर

महावीर जयंती 2026 मंगलवार 31 मार्च 2026 को मनाई जा रही है। यह त्योहार जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2624वीं जयंती का प्रतीक है।भगवान महावीर जैन धर्म के चौबीसवें और आखिरी तीर्थंकर थे। जैन फिलॉसफी के अनुसारए सभी तीर्थंकर इंसान के रूप में पैदा हुए थेए लेकिन उन्होंने मेडिटेशन और सेल्फरियलाइज़ेशन के ज़रिए परफेक्शन या ज्ञान की स्थिति हासिल की। ये जैनियों के भगवान हैं। तीर्थंकरों को अरिहंत या जिन भी कहा जाता है। भगवान महावीर इस समय के जैन धर्म के चौबीसवें और आखिरी तीर्थंकर थे। जैन फिलॉसफी के अनुसारए सभी तीर्थंकर इंसान थेए लेकिन उन्होंने मेडिटेशन और सेल्फरियलाइज़ेशन के ज़रिए परफेक्शन या ज्ञान की स्थिति हासिल की। वे जैनियों के भगवान हैं। दुनिया को बनाने वालेए बचाने वाले और खत्म करने वाले के तौर पर भगवान का कॉन्सेप्ट जैन धर्म में नहीं है। साथ हीए राक्षसों का नाश करने के लिए भगवान के इंसान के रूप में दोबारा जन्म लेने का आइडिया भी जैन धर्म में नहीं माना जाता है। भगवान महावीर का जन्म चैत्र महीने के उगते चाँद की तेरहवीं तारीख कोए 599 ठण्ब्ण् में भारत के बिहार राज्य में हुआ था। यह दिन इंग्लिश कैलेंडर के हिसाब से अप्रैल महीने में पड़ता है। उनके जन्मदिन को महावीर जयंती के तौर पर मनाया जाता है। महावीर एक राजकुमार थे और उनके माता.पिता ने उनका नाम वर्धमान रखा था। एक राजा के बेटे होने के नातेए उनके पास दुनियावी सुख.सुविधाएँ और सेवाएँ थीं। लेकिन तीस साल की उम्र मेंए उन्होंने अपना परिवार और शाही घराना छोड़ दियाए दुनियावी चीज़ें छोड़ दींए और दर्दए दुख और तकलीफ़ों को खत्म करने का हल ढूंढने के लिए साधु बन गए। महावीर ने अपनी इच्छाओंए भावनाओं और आसक्तियों पर काबू पाने के लिए अगले साढ़े बारह साल गहरी शांति और ध्यान में बिताए। उन्होंने जानवरोंए पक्षियों और पौधों सहित दूसरे जीवों को नुकसान पहुँचाने या परेशान करने से बहुत सावधानी से परहेज़ किया। वह लंबे समय तक बिना खाए भी रहे। वह सभी असहनीय मुश्किलों के बावजूद शांत और स्थिर रहेए इसलिए उन्हें महावीर नाम दिया गयाए जिसका मतलब है बहुत बहादुर और हिम्मतवाला। इस दौरानए उनकी आध्यात्मिक शक्तियाँ पूरी तरह से विकसित हुईं और आखिर में उन्हें सही समझए ज्ञानए शक्ति और आनंद का एहसास हुआ। इस एहसास को केवल ज्ञान या पूर्ण ज्ञान के रूप में जाना जाता है। महावीर ने अगले तीस साल नंगे पैर पूरे भारत में घूमते हुए लोगों को उस शाश्वत सत्य का उपदेश दिया जिसे उन्होंने महसूस किया था। उनकी शिक्षा का आखिरी मकसद यह है कि कोई जन्मए जीवनए दर्दए दुख और मौत के चक्कर से पूरी तरह आज़ादी कैसे पा सकता हैए और खुद की हमेशा की खुशी वाली हालत कैसे पा सकता है। इसे मुक्तिए निर्वाणए पूरी आज़ादी या मोक्ष भी कहते हैं। महावीर ने समझाया कि हमेशा सेए हर जीव ;आत्माद्ध अपनी अज्ञानता की वजह से कर्म के एटम के बंधन में है। फिर ये कर्म हमारे अच्छे या बुरे कर्मों से लगातार जमा होते रहते हैं। कर्म के असर मेंए आत्मा को चीज़ों और चीज़ों में सुख ढूंढने की आदत हो जाती है। यही मतलबी हिंसक विचारोंए कामोंए गुस्साए नफ़रतए लालच और ऐसी दूसरी बुराइयों की गहरी जड़ है। इनसे कर्म और जमा होते हैं। महावीर ने उपदेश दिया कि सही विश्वास ;सम्यक दर्शनद्धए सही ज्ञान ;सम्यक ज्ञानद्धए और सही आचरण ;सम्यक चरित्रद्ध मिलकर ही खुद के कर्मों से मुक्ति पाने का असली रास्ता है। जैन लोगों के लिए सही व्यवहार के केंद्र में पाँच महान व्रत हैंरू अहिंसा किसी भी जीव को नुकसान न पहुँचाना सत्य सिर्फनुकसान न पहुँचाने वाला सच बोलना चोरी न करना ;असेत्यद्ध जो चीज़ ठीक से न दी गई हो उसे न लेना पवित्रता ;ब्रह्मचर्यद्ध इंद्रिय सुख में लिप्त न होना अपरिग्रह लोगोंए जगहों और भौतिक चीज़ों से पूरी तरह अलग रहना जैन लोग इन व्रतों को अपने जीवन का केंद्र मानते हैं। ये व्रत नॉन एब्सोल्यूटिज़्म ;अनेकांतवादद्ध और रिलेटिविटी के सिद्धांत ;स्याद्वादद्ध को माने बिना पूरी तरह से लागू नहीं किए जा सकते। साधु.सन्यासी इन व्रतों का सख्ती से और पूरी तरह से पालन करते हैंए जबकि आम लोग इन व्रतों का पालन अपनी जीवनशैली के हिसाब से करते हैं। महावीर के हिसाब से आध्यात्मिक तरक्की के मामले मेंए पुरुष और महिला दोनों बराबर हैं। त्याग और मुक्ति के लालच ने महिलाओं को भी अपनी ओर खींचा। कई महिलाओं ने महावीर के रास्ते पर चलकर परम सत्य और खुशी की तलाश में दुनिया छोड़ दी। इस तरहए जैन धर्म के सिद्धांतों को अगर सही नज़रिए से ठीक से समझा जाए और ईमानदारी से उनका पालन किया जाएए तो वे इस जीवन में संतोषए अंदरूनी खुशी और आनंद लाएंगे। यह भविष्य के पुनर्जन्मों में आत्मा को एक ऊंचे आध्यात्मिक स्तर तक ले जाएगाए आखिरकार पूर्ण ज्ञान प्राप्त करेगाए शाश्वत आनंद की अपनी आखिरी मंजिल तक पहुंचेगाए और जन्म और मृत्यु के सभी चक्रों को खत्म करेगा। महावीर ने अमीर और गरीबए राजा और आम लोगए पुरुष और महिलाएंए राजकुमार और पुजारीए छूने वाले और अछूतए सभी तरह के लोगों को अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने अनुयायियों को चार तरह के ग्रुप में बांटाए यानी साधुए साध्वीए श्रावक और श्राविका। इस ग्रुप को जैन संघ के नाम से जाना जाता है। भगवान महावीर के उपदेश उनके करीबी शिष्यों ने आगम सूत्रों में बोलकर लिखे थे। ये आगम सूत्र मौखिक रूप से आने वाली पीढ़ियों को दिए गए। समय के साथ कई आगम सूत्र खो गए हैंए नष्ट हो गए हैंए और कुछ में बदलाव किया गया है। लगभग एक हज़ार साल बाद आगम सूत्रों को ताड़पत्री ;एक पत्तेदार कागज़ जो उन दिनों भविष्य के लिए रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता थाद्ध पर रिकॉर्ड किया गया था। श्वेतांबर जैन ने इन सूत्रों को उनकी शिक्षाओं का असली रूप माना हैए जबकि दिगंबर जैन ने इसे असली नहीं माना। 72 साल की उम्र में ;527 ठण्ब्ण्द्धए भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया और उनकी शुद्ध आत्मा ने उनका शरीर छोड़ दिया और पूरी मुक्ति प्राप्त की। वे एक सिद्धए एक शुद्ध चेतनाए एक मुक्त आत्मा बन गएए जो हमेशा पूर्ण आनंद की स्थिति में रहते थे। उनके निर्वाण की रातए लोगों ने उनके सम्मान में रोशनी का त्योहार ;दीपावलीद्ध मनाया। यह हिंदू और जैन कैलेंडर साल का आखिरी दिन है जिसे दीपावली दिवस के रूप में जाना जाता है। जैन धर्म महावीर से पहले मौजूद थाए और उनकी शिक्षाएं उनके पहले के लोगों की शिक्षाओं पर आधारित थीं। इस तरहए बुद्ध के उलटए महावीर किसी नए धर्म के फाउंडर से ज्यादा एक मौजूदा धार्मिक व्यवस्था के सुधारक और प्रचारक थे। उन्होंने अपने पहले के तीर्थंकर पार्श्वनाथ के अच्छी तरह से स्थापित पंथ को फॉलो किया। हालांकिए महावीर ने अपने समय के हिसाब से जैन धर्म के फिलॉसफी के सिद्धांतों को फिर से बनाया।

कुमाऊँ की विशिष्ट परंपरा है भिटौली

कुमाऊँ अंचल की सामाजिक परंपराएं, रीति-रिवाज और मान्यताएं विशिष्ट हैं। यहाँ के लोक जीवन में प्रकृति का गहरा प्रभाव है। यहाँ की अधिकांश परंपराएं और रीति - रिवाज प्रकृति पर आधारित हैं। कुमाऊँ में ऋतु के अनुसार लोक पर्व मनाए जाते हैं। यहाँ विभिन्न ऋतुओं में अलग-अलग लोक पर्व मनाने की परंपरा है।

वसंत ऋतु को ऋतुराज कहा जाता है। वसंत ऋतु का आगमन ठंड के मौसम के विदा होने का सूचक है। वसंत ऋतु में प्रकृति का सौंदर्य निखर जाता है। प्रकृति में नवचेतना जागृत हो जाती है। संपूर्ण वातावरण में उल्लास भर जाता है। ठंड के मौसम में हरियाली विहीन हो गए पेड़-पौधों में कोंपल, हरियाली और गुलाबीपन की छटाएं दृष्टिगोचर होने लगती हैं। संपूर्ण प्रकृति में यौवन की बहार फूटने लगती है। कुदरत के चारों ओर खुशियां बिखर जाती हैं। सरसों फूलने लगती है। रस भरे काफल के फलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। बुराँस के फूल अपनी मनमोहक छटा बिखरने को आतुर हैं। पेड़-पौधे बहुरंगी फूल-फलों से लद गए हैं तो समझिए कि वसंत ऋतु आ गई है। कुमाऊँ की लोक संस्कृति में वसंत माने देवी की प्रतिमूर्ति समझी जाने वाली बेटी-बहनों को मान- सम्मान देने का मौसम। प्रकृति के इस नवयौवन को देख मानव मन भी हर्ष और उल्लास से भर जाता है। हर्षोल्लास की इस ऋतु में मानव को अपने प्रियजनों की याद सताने लगती है। विशेष अवसरों, तीज-त्यौहारों में अपने प्रियजनों की याद सबको सताती है, लेकिन वसंत भूली- बिसरी यादों को यकायक ताजा कर देता है। वसंत ऋतु में अपने प्रियजनों से भेंट करने की तीव्र इच्छा जागृत हो उठती है। भेंट करने की आकांक्षा को पूर्ण करने के लिए वसंत ऋतु में कुमाऊँ अंचल में अत्यंत आत्मीय और भावुक कर देने वाली परंपरा का निर्वहन किया जाता है, जिसे भिटौली कहते हैं।

बसंत का सुआगमन होते बुराँश और सरसों सहित नाना प्रकार के फल-फूल खिलने लगें, कफुवा के साथ ही अन्य पंछियों के सुमधुर स्वर सुनाई दें और प्रकृति के चारों ओर उल्लास का वातावरण हो तो समझिए कि कुमाऊँ में भिटौली का महीना आ गया है। भिटौली का महीना यानी चैत्र के आते ही ब्याहता बेटी- बहिनें ससुराल में अपने पिता और भाइयों की प्रतीक्षा करने लगती हैं।

पहले के जमाने में पहाड़ में बाल्यावस्था में ही बच्चियों की शादी कर दी जाती थी। उस दौर में पहाड़ में यातायात और संचार के कोई साधन नहीं थे। अपनी बेटी -बहन से भेंट- मुलाकात बमुश्किल हो पाती थी। माता-पिता और भाई को सदैव अपनी बेटी-बहन की याद सताती रहती थी। वसंत के आते ही माता-पिता और भाई को अपनी ब्याहता बेटी- बहन की याद और अधिक सताने लगती थी, सो,अपनी बेटी-बहन से भेंट कर कुशल-क्षेम जानने और उन्हें सम्मानित करने के निमित्त भिटौली नामक परंपरा ने जन्म लिया। चैत्र मास में पहाड़ में आमतौर पर मांगलिक कार्य नहीं होते हैं,लेकिन पहाड़ में इसे भिटौली का महीना माना जाता है। कुमाऊँ में इस महीने विवाहिता बेटी-बहनों को भिटौली देने की प्राचीन परंपरा है। भिटौली यानी उपहारों के साथ भेंट-मुलाकात, मान- सम्मान और इस बहाने बेटी-बहन की आशल - कुशल जानने की तीव्र जिज्ञासा।भाई या पिता भिटौली देने के लिए बेटी-बहन के ससुराल जाते हैं। पहले से भिटौली की एक टोकरी ले जाई जाती थी, जिसे स्थानीय भाषा में छापरी कहते हैं। भिटौली में अपनी प्यारी बिटिया- बहन को वस्त्र, सामर्थ्यानुसार विभिन्न प्रकार के स्थानीय पकवान, मिठाई और नगदी भेंट दिए जाने की परंपरा है। मायके से भिटौली के रूप में आए पकवानों और मिष्ठान को बेटी-बहनें अपने ससुराल में वितरित करतीं थीं।

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैकुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, त्रियोदशी, भौमवासरे, पू.फा. नक्षत्रे, गज योगे, तैतिल करणे, सिंह की चंद्रमा, धूम योगे, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, जिद्दी, हठी, सैनिक, सिपाही, कमांडर, ब्रिगेडियर, कर्नल तथा सेना नायक दरोगा तथा एसपी, आईजी विभाग का प्रधान कुशल वक्ता, अधिवक्ता होगा।

मेष राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखे, अचानक घटना का शिकार होने से बचे, कार्य विशेष हो।

वृष राशि :- सफलता के साधन जुटाये, समय की अनुकूलता से लाभान्वित हो, कार्य होगा।

मिथुन राशि :- अधिकारियों से मेल मिलाप स्थिगित रखे, अन्यथा आरोप, क्लेश संभव होगा।

कर्क राशि :- विरोधी प्रबल होंगे, परेशानी से बचिये, जल्दबाजी से कार्य हानि हो, समय का ध्यान दें।

सिंह राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल, मान प्रतिष्ठा, सुख के साधनों में वृद्धि हो, कार्य हो।

कन्या राशि :- कुटुम्ब की समस्याएं सुलझे, धन का व्यय हो तथा सुख वृद्धि, कार्य हो।

तुला राशि :- संतान से सुख एवं सफलता के योग बने, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे, इष्ट मित्रों से परेशानी बढ़ेगी।

धनु राशि :- सामाजिक कार्यों में मान प्रतिष्ठा, कुटुम्ब की समस्याएं जटिल होगी।

मकर राशि :- स्त्रीकष्ट, समय और धन नष्ट न हो तथा स्वभाव में बेचैनी बनेगी।

कुंभ राशि :- षड्यंत्र व कष्ट सामने आए, कुटुम्ब के लोग ही कष्ट प्रद कार्य करेंगे।

मीन राशि :- धन लाभ आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, व्यावसायिक चिंता बनेगी।

बचपन बचाओ मुहिम के फ़रिश्ते, भीख मांगने वाले हाथो में सौंपा बस्ता!

वे नन्हे हाथ जो कभी भीख के लिए उठते थे,अब उन्हीं हाथों में पेंसिल, कॉपी, किताब है और कंधे पर लटका स्कूली बस्ता।इन बच्चों ने कभी सोचा भी नही होगा कि वे कभी स्कूल जा पाएंगे।लेकिन इन बच्चों की आंखों में बसा स्कूल जाने का सपना आखिर साकार हो ही गया।दिल्ली के आठ युवकों के पास इतना पैसा था कि वे अपने शौक पूरे कर सकते थे, लेकिन उन्होंने भीख मांगने वाले बच्चों की मदद करने की ठानी।

दिल्ली के आठ युवाओं ने भीख मांगने वाले बच्चों में शिक्षा की अलख जगाई है। दिल्ली की व्यस्तम सड़कों के किनारे आम तौर पर भीख मांगते बच्चे दिखते है। इन युवाओं ने इन भीख मांगने वाले बच्चों को साक्षर बनाने का बीड़ा उठाया।

चार्टर्ड एकाउंटेंट की पढ़ाई पूरी कर चुके कुंदन अब अपना समय ऐसे बच्चों को शिक्षित करने के लिए देते हैं।उनके इस अभियान में जय सिंह, साहिल, विनीत, मनीष और विवेक भी शामिल हैं।वे अपनी जिंदगी के अहम क्षण ऐसे बच्चों को दे रहे हैं जिनका भविष्य अँधियारे में था। पहली बार सन 2015 में दिल्ली के कनॉट प्लेस में जब इन युवकों का सामना भीख मांगने वाले बच्चों से सामना हुआ तो उन्होंने बच्चों को शिक्षित, जागरुक और आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। दिल्ली कनॉट प्लेस के पालिका बाजार के ऊपर बने पार्क में उन्होंने सड़क पर रहने वाले बच्चों को मुफ्त शिक्षा देना शुरू किया।इन युवकों ने सेव चाइल्ड बेगर नाम की संस्था की स्थापना भी की।कुंदन के शब्दों में, 'शुरुआत में हमने बच्चों को भीख मांगने से मना नहीं किया, हमने उनकी स्थिति और उन्हें स्वीकार किया, हमने उन्हें शिक्षित और उनके अंदर स्किल डेवलपमेंट करने के बारे में सोचा।जब हम उनके बीच में बैठते तो बच्चे बहुत ही आम सवाल करते जैसे कि आप पेन लेफ्ट पॉकेट में क्यों रखते हो, क्या आप अपना रुमाल रोज धोते हो, ये छोटी-छोटी बातें हमें तो पता है लेकिन सड़क किनारे रहने वाले बच्चों को ये जानकारी नहीं है और ना ही उन्हें किसी ने बताने की कोशिश की।

इन युवाओं ने बच्चों के अभिभावक बनकर उन्हें अच्छा और बुरा बताया, क्या सही है और क्या गलत है उन्हें समझाया, नशे की लत अगर किसी बच्चे में है तो उसका नशा खत्म कराने की ओर उसे प्रेरित किया।सन 2015 में कुछ बच्चों से शुरू हुआ अभियान सेव चाइल्ड बेगर अब दिल्ली के 12 केंद्रों तक फैल गया है, इनका फोकस बच्चों को भीख मांगने की प्रवृत्ति से बचाने के साथ साथ नशे की लत से भी बचाना है।

इस अभियान से जुड़े जय सिंह के शब्दों में, हमारा मुख्य उद्देश्य है बच्चों को भीख मांने से रोकना और उन्हें शिक्षित कर स्कूल तक पहुंचाना है। कई बच्चों में नशे की लत होती है उन बच्चों को नशे की लत से बाहर लाना एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में उन्हें हम मेडिकल सुविधा दिलाते हैं और उनकी काउंसलिंग कर उन्हें नशे के नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताते हैं और नशे को छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।'

आज सेव चाइल्ड बेगर दिल्ली के 12 केंद्रों पर दो हजार से अधिक बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे रही है। उन्हें सरकारी स्कूल में दाखिला कराना हो या अस्पताल में इलाज कराना ये युवा किसी भी काम से पीछे नहीं हटते।ऐसी एक और शख्सियत है अनुराधा भोंसले जिन्होंने हजारों बच्चों को बाल श्रम से आजादी दिलाई है और वे लगातार इस मिशन से जुडी हैं। अनुराधा ने बताया कि उनका मिशन है कि वह देशभर में बाल श्रम का शिकार हो रहे 70 हजार से ज्यादा बच्चों को उनके हक का बचपन दिला सकें।

अनुराधा कहना हैं कि बहुत से बच्चों का बचपन जल रहा है जिन्हें उन्हें बचाना है।वे कहती है कि यदि बच्चों के अधिकार के लिए लड़ते हुए किसी ने उन्हें मार भी डाला तो यह उनके लिए बहुत सम्मानपूर्वक मौत होगी। अनुराधा अपनी नाम की संस्था के साथ काम करती हैं। वह सन1995 से गरीब बच्चों के लिए काम कर रही हैं।कौन बनेगा करोड़पति एपिसोड में कर्मवीर सम्मान से नवाज़ी गई अनुराधा भोसले हॉटसीट पर भी विराजमान हुईं। अनुराधा के साथ फिल्ममेकर नागराज मंजुले ने उनका सहयोग किया। दोनों ने शानदार तरीके से सवालों का जवाब देते हुए 25 लाख रुपए अपनी संस्था के नाम किये।

अनुराधा भोंसले कहती हैं कि, गरीबी की वजह से चाईल्ड लेबर नहीं है, चाईल्ड लेबर की वजह से गरीबी है।अभी भी देश में बच्चोंख का इस्तेमाल भीख मांगने के लिए होता है। बहुत सारे बच्चे कूड़ा बीनने का काम करते हैं।इस देश में 4 करोड़ बच्चो स्कू ल नही जा पा रहे है। ये सन 1995 से कचरा बीनने वाले बच्चोंई के लिए काम कर रही हैं। उनका एकमात्र लक्ष्य यही है कि वह उनका बचपन, उनकी शिक्षा और उनका हक दिला सके।उन्होंरने कोल्हाईपुर में शेल्टडर होम्स् बनवाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी।इसी का परिणाम रहा कि वे 70 हजार बच्चों का बचपन बचाने में कामयाब हो पाई।आगे भी उनका अभियान जारी है।उनका कहना है कि जब तक जिऊंगी बच्चों के लिए काम करती रहूंगी।ऐसी ही एक बाल उद्धारक शख्सियत है सिंधुताई। सिंधुताई ने बताया कि वह 20 साल की थी और उनकी बच्ची 10 दिन की। उन्हें ससुराल और मायके वालों ने निकाल दिया था। किसी ने कहा, ये औरत अच्छी नहीं है। लेकिन भूख तो लगती ही है।इसलिए कुछ तो करना ही था।पहले बगैर टिकट ट्रेन में घूमती रही। स्टेशनों पर भिखारियों के साथ खाना खा लेती थी। भिखारियों ने उन्हें संरक्षण दिया। दिन तो गुजार देती थी लेकिन रात को डर लगता था। केवल 20 साल की जो थी। रात को श्मशान जाती थी सोने के लिए। उन्हें पता था कि वहां कोई मरने के बाद ही आएगा। रात को जब कोई उन्हें देखता तो भूत-भूत कहकर चिल्लाने लगता और भाग जाता था। श्मशान में रहने के बाद मिल बांटकर खाना सीखा और सभी को अपनाना शुरू किया। जिसका कोई नहीं उसकी वह मां बन गई।

सिंधुताई ने 1200 बच्चों को गोद लिया और उनका सारा खर्च उठाया।उन्हें अब तक 750 अवाड्‌र्स मिल चुके हैं। उनके अवॉड्‌र्स में राष्ट्रपति सम्मान और अहिल्याबाई पुरस्कार भी शामिल हैं।

फिल्म वर्ग पहेली - 7158

बायें से दायें:-

१. 'अंधेरी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'रात की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, ममता की 'सोना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, डॉना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बहाना दे बहाना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे आंगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'कहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'ओ दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंगीला, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7157

नेस्ले की किटकैट चॉकलेट से भरा ट्रक चोरी, सोशल मीडिया पर यूजर्स ले रहे मजे

रोम। इटली की एक फैक्ट्री से पॉलैंड के लिए निकला ट्रक बीच रास्ते में लूट लिया गया। यह खबर इस समय दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। ट्रक में 12 टन चॉकलेट लदी हुई थी। नेस्ले किटकैट की चॉकलेट। कुल 4 लाख 13 हजार से ज्यादा चॉकलेट के पैकेट थे, लेकिन मंजिल पर पहुंचने से पहले ही यह ट्रक और इसमें लदी करोड़ों की चॉकलेट गायब हो गई। इसको लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स खूब मजे ले रहे हैं। कुछ लोग इसे अब तक की सबसे 'मीठी' डकैती बता रहे हैं।

फिर आया सुप्रील लीडर मोजतबा खामेनेई का संदेश, ईराक के लोगों का किया शुक्रिया

तेहरान। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का एक मैसेज सामने आया है, लेकिन हमेशा की तरह, इस बार भी न तो उनकी कोई तस्वीर दिखी, न कोई वीडियो सामने आया और न ही उनकी आवाज सुनाई दी। बस एक कागज का टुकड़ा, जिसे उनका संदेश बताकर दुनिया के सामने पेश किया गया। इससे पहले भी जब उनका मैसेज आया था, तब भी ऐसे ही कागज का टुकड़ा देखने को मिला था। आखिर ईरान के सुप्रीम लीडर किसे शुक्रिया कह रहे हैं, उनकी सेहत पर किस तरह की चर्चा है?मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोजतबा खामेनेई ने ताजा मैसेज में इराक के धार्मिक नेताओं और वहां की जनता को धन्यवाद दिया है।

पश्चिम एशिया का मौजूदा संघर्ष किसी के हित में नहीं- इशाक डार

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने रविवार को अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता कराने का दावा किया है। उन्होंने इस्लामाबाद में सऊदी अरब, मिस्र और तुर्की के साथ हाई लेवल बैठक के बाद ये बात कही। उनका कहना है कि हमें चीन का समर्थन हासिल है और अमेरिका-ईरान का विश्वास। इशाक डार ने कहा कि पश्चिम एशिया का मौजूदा संघर्ष किसी के हित में नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह युद्ध केवल विनाश और मृत्यु की ओर ले जाएगा। इस चुनौतीपूर्ण समय में मुस्लिम उम्माह की एकता सबसे ज्यादा अहम है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर फिर भड़की हिंसा में एक नागरिक की मौत

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमावर्ती इलाकों में जारी तनाव एक बार फिर हिंसक झड़प में तब्दील हो गया है। अफगान सरकार ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने पूर्वी अफगानिस्तान के कुनार प्रांत स्थित असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों में भारी गोलाबारी की है। इस हमले में एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि महिलाओं और बच्चों समेत 16 अन्य लोग घायल हुए हैं।शुरू हुआ यह संघर्ष पिछले कई दशकों में दोनों पड़ोसी देशों के बीच सबसे भीषण सैन्य टकराव माना जा रहा है।

ईरान में तख्तापलट का ख्वाब देख रहे ट्रंप के खिलाफ ही

लाखों लोग सड़कों पर उतरे

-'नो किंग्स' आंदोलन के तहत अमेरिका के 3200 स्थानों पर हुआ विरोध प्रदर्शन

वाशिंगटन। ईरान में तख्तापलट और बगावत का ख्वाब देख रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही देश में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। 'नो किंग्स' आंदोलन के तहत अमेरिका के 3,200 स्थानों पर 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए। तानाशाही रवैये और युद्ध नीतियों के खिलाफ भड़का यह आक्रोश अब ट्रंप की कुर्सी के लिए खतरा बन गया है। अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के खिलाफ जन-आक्रोश की एक नई लहर देखने को मिली है। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों समेत दुनिया के कई प्रमुख शहरों में नो किंग्स विरोध प्रदर्शन हुए। आयोजकों का दावा है कि यह अमेरिकी इतिहास के सबसे बड़े विरोध प्रदर्शनों में से एक है।

इस बार के प्रदर्शनों के केंद्र में तीन मुख्य मुद्दे हैं- पिछले चार हफ्तों से ईरान के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष और अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप का कड़ा विरोध। विशेष रूप से मिनेसोटा में संघीय एजेंटों द्वारा रेनी गुड और एलेक्स प्रेटी की मौत के बाद गुस्सा चरम पर है। वहीं प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन निरंकुश तरीके से काम कर रहा है और संवैधानिक मर्यादाओं को चुनौती दे रहा है। यह आंदोलन केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा। देशभर में 3,200 से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क में टाइम्स स्क्वायर पर हजारों की भीड़ ने लोकतंत्र बचाओ के नारे लगाए। वहीं मिनेसोटा में यह विरोध का प्रतीकात्मक केंद्र बना।

यहां रॉक स्टार ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने गाना गाकर उन लोगों को श्रद्धांजलि दी जो अप्रवासन कार्रवाई में मारे गए थे। न्यूजर्सी में समृद्ध उपनगरीय इलाकों में भी 'सॉकर मॉम्स' और कामकाजी वर्ग सड़कों पर उतरा जो पारंपरिक रूप से राजनीति से दूर रहते थे। इस आंदोलन का नाम ही इसके उद्देश्य को स्पष्ट करता है कोई राजा नहीं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति ट्रंप की 'कार्यकारी शक्तियों' के बढ़ते उपयोग को राजशाही के समान मानते हैं। उनका तर्क है कि अमेरिका एक लोकतंत्र है जहां कानून सर्वोपरि है न कि कोई व्यक्ति।

रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित रूप से यह प्रदर्शन आगामी मिड-टर्म चुनावों से पहले हो रहे हैं। न्यूजर्सी जैसे राज्यों में जहां रिपब्लिकन मजबूत थे अब मतदाता का डेमोक्रेटिक की तरफ झुकाव दिखा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि उपनगरीय क्षेत्रों में बढ़ता यह आक्रोश कांग्रेस पर रिपब्लिकन नियंत्रण को खत्म कर सकता है। लंदन, पेरिस और रोम जैसे शहरों में भी ट्रंप विरोधी रैलियां निकाली गईं। यह दर्शाता है कि अमेरिकी विदेश नीति खासकर ईरान युद्ध को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता और विरोध बढ़ रहा है। दुनिया भर के लोग दक्षिणपंथी राजनीति के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं।

ईरान का कुवैत के पानी प्लांट पर हमला, भारतीय की मौत

अब तक 8 भारतीयों की गई जान

कुवैत सिटी। कुवैत सरकार ने घोषणा की है कि सोमवार तड़के ईरान की ओर से किए गए हमले में कुवैत के एक बिजली और जल डिसेलिनेशन संयंत्र पर काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने एक्स पर पुष्टि की कि ईरान के हमले में संयंत्र की एक सेवा इमारत को भी नुकसान पहुंचा और इसे खाड़ी राष्ट्र के खिलाफ 'ईरानी आक्रमण' की कड़ी निंदा की।

मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और इमारत को गंभीर क्षति पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन और तकनीकी प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके, साथ ही नुकसान को कम किया जा सके और संयंत्र के संचालन में बड़े व्यवधान से बचा जा सके। मंत्रालय ने जोर दिया कि 'बिजली और जल अवसंरचना की सुरक्षा और स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता हैं और तकनीकी टीमें किसी भी आगे के जोखिम की आशंका के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं ताकि आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यह घटना संयुक्त अरब अमीरात में हाल ही में हुई एक दुखद घटना के कुछ दिन हुई है, जिसमें पिछले गुरुवार को अबू धाबी में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी, जब एक बैलिस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया और मलबा गिरने की वजह से वह घायल हो गया था। भारतीय दूतावास ने कहा था कि वह 'यूएई अधिकारियों के साथ निकटता से काम कर रहा है ताकि प्रभावित लोगों को सभी संभव समर्थन और मदद दी जा सके।

बता दें यह संघर्ष अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और यह तब शुरू हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। इसके बाद, ईरानी बलों ने इजराइल और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र में जनहानि हुई और अहम बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

नेतन्याहू ने बदल दिया नक्शा, लेबनान की लितानी नदी तक सुरक्षा घेरा बनाएगा इजरायल

तेल अवीव। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां से मध्य-पूर्व का भूगोल हमेशा के लिए बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बेहद आक्रामक और रणनीतिक फैसले का एलान किया है, जिसने तेहरान से लेकर बेरूत तक खलबली मचा दी है। नेतन्याहू ने अपनी सेना को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे लेबनान की सीमा के भीतर घुसकर लितानी नदी तक एक अभेद्य बफर जोन यानी सुरक्षा घेरा तैयार करें। इस कदम से यह साफ हो गया है कि इजरायल अब महज बचाव की मुद्रा में नहीं है, बल्कि वह दुश्मन के नियंत्रण वाले इलाके में घुसकर अपना वर्चस्व स्थापित कर रहा है ताकि भविष्य में उसकी उत्तरी सीमा पर कोई खतरा न मंडरा सके। नेतन्याहू के इस फैसले ने सबसे ज्यादा चिंता ईरान की बढ़ा दी है। ईरान की क्षेत्रीय रणनीति काफी हद तक उसके छद्म गुटों (प्रॉक्सी) पर टिकी है, जिनमें लेबनान का हिजबुल्लाह सबसे शक्तिशाली मोहरा रहा है। दक्षिणी लेबनान में लितानी नदी के किनारे का इलाका दशकों से हिजबुल्लाह का सुरक्षित ठिकाना रहा है, जहां उसने सुरंगों, बंकरों और घने जंगलों का जाल बिछा रखा था। इसी क्षेत्र का उपयोग इजरायली शहरों पर रॉकेट, एंटी-टैंक मिसाइलें और ड्रोन दागने के लिए लॉन्चिंग पैड के रूप में किया जाता रहा है। अब यदि इजरायली सेना लितानी नदी तक के पूरे क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लेकर वहां बफर जोन बना देती है, तो हिजबुल्लाह के पास हमले के लिए कोई प्रभावी जमीन नहीं बचेगी। ईरान ने हिजबुल्लाह को सशक्त बनाने में जो अरबों डॉलर और दशकों का निवेश किया था, वह इजरायल के इस एक सैन्य निर्णय से धराशायी होता दिख रहा है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि इजरायल ने युद्ध की अपनी पूरी नीति बदल दी है।

जापान ने दिखाई सैन्य ताकत लॉन्ग-रेंज मिसाइल की तैनात, चीन की उड़ी नींद

अपग्रेडेड टाईप-12 मिसाइल करीब 1000 किलोमीटर तक वार करने में सक्षम

टोक्यो। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल ने जंग छेड़ रखी है, वहीं एशिया में एक नया मोर्चा खुलता नजर आ रहा है। जापान ने अब अपनी सैन्य ताकत को आक्रामक अंदाज में आगे बढ़ाते हुए लॉन्ग-रेंज मिसाइल तैनात कर दी है, जिसका सीधा निशाना है चीन है। जापान के अपग्रेडेड टाईप-12 मिसाइल करीब 1000 किलोमीटर तक वार करने में सक्षम हैं यानी ये मिसाइलें सीधे चीन के मुख्य भूभाग तक पहुंच सकती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लॉन्चर गुपचुप तरीके से रात के अंधेरे में पहुंचाए गए। मिसाइल लॉन्चर्स का आधी रात में पहुंचना कोई सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं, बल्कि एक स्ट्रेटेजिक वॉर्निंग है। इससे स्थानीय लोगों को भनक तक नहीं लगी। सरकार ने इसके बार में पहले से कोई सूचना भी नहीं दी। इस कदम के खिलाफ स्थानीय स्तर पर विरोध भी शुरू हो गया है, लेकिन टोक्यो का रुख साफ है कि अब सुरक्षा के नाम पर आक्रामक तैयारी होगी। कुमामोटो के गवर्नर ने कहा कि हमें इस बारे में कभी कोई सूचना नहीं दी गई। यह बेहद निराशाजनक है कि हमें इस बारे में मीडिया रिपोर्टों से पता चला। इसके जवाब में क्यूशू के क्षेत्रीय रक्षा ब्यूरो ने घोषणा की कि वे अगले हफ़्ते कैंप में उपकरणों की प्रदर्शनी के लिए स्थानीय प्रतिनिधियों को आमंत्रित करेंगे, यह प्रदर्शनी 31 मार्च को तैनाती से पहले होगी। किसी भी टाउन हॉल मीटिंग की योजना नहीं है। रक्षा मंत्रालय ने पिछले साल ही तैनाती के कार्यक्रम को एक साल पहले कर दिया था।

बिना तैयारी के चौधरी बन रहे पाकिस्तान को झटका....विदेश मंत्रियों की बैठक बिना नतीजे के खत्म

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। इस्लामाबाद में आयोजित विदेश मंत्रियों की अहम बैठक बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। यह बैठक 29ङ्क30 मार्च को दो दिनों तक चली थी, लेकिन यह एक ही दिन में खत्म हो गई। सम्मेलन में तुर्की, सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया।

हालांकि कूटनीतिक सूत्रों के मुताबिक बैठक में किसी ठोस रोडमैप या कार्ययोजना पर सहमति नहीं बन सकी। इसकी सबसे बड़ी बाधा ईरान की सख्त शर्तें रहीं, सूत्रों का कहना है कि बैठक में शामिल किसी भी देश ने ईरान की मुख्य चिंताओं को दूर करने को लेकर कोई ठोस भरोसा नहीं जताया। जिस बैठक का उद्देश्य इस युद्ध को खत्म कराने के लिए समझौता कराना था, वहां वक्त से पहले खत्म हो गई।

इसका असर यह हुआ कि सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्री 29 मार्च को ही बैठक छोड़कर रवाना हो गए, जिससे सम्मेलन तय समय से पहले ही खत्म हुआ। इन देशों का मानना था कि किसी भी प्रस्ताव को आगे बढ़ाने से पहले सीधे अमेरिका से चर्चा जरूरी है। खासतौर पर सऊदी अरब ने पाकिस्तान और तुर्की के इस दावे का पूरी तरह समर्थन करने में हिचक दिखाई कि वे अमेरिका और ईरान के बीच सफल मध्यस्थता कर सकते हैं। बैठक का अहम निष्कर्ष यह भी रहा कि पाकिस्तान और तुर्की अब ईरान से संपर्क कर उसे अपनी शर्तों में नरमी लाने के लिए राजी करने की कोशिश कर सकते हैं। ईरान अब तक अपने पिछले अनुभवों को देखकर ठोस गारंटी की मांग पर अड़ा हुआ है। हालांकि कोई ठोस नतीजा नहीं निकलने के बावजूद सभी देशों ने बातचीत जारी रखने और कूटनीतिक संपर्क बनाए रखने पर सहमति जाहिर की है ।

जब खुले मंच से, ट्रंप ने कह दिया.....उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एमबीएस उनकी इतनी चापलूसी कर सकते

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मियामी में हुए हाई-प्रोफाइल निवेश शिखर सम्मेलन में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) को लेकर चौंकाने वाला बयान दे दिया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एमबीएस उनकी इतनी चापलूसी कर सकते हैं, लेकिन अब ऐसा करना पड़ रहा है। इस बयान का मंच भी खास था–सऊदी अरब के सोवरन वेल्थ फंड द्वारा समर्थित फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव, जिसमें दुनिया भर के निवेशक शामिल थे। ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिका-सऊदी रिश्तों और खाड़ी क्षेत्र में शक्ति संतुलन की असली तस्वीर दिखाती है। इस मौके पर ट्रंप ने एमबीएस के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों और बातचीत का जिक्र किया, जिसमें क्राउन प्रिंस ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी कदमों को जारी रखने की सलाह दी। रिपोर्ट के मुताबिक, एमबीएस ने ईरान के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने जैसे कड़े कदमों का सुझाव दिया। हालांकि, सऊदी अरब ने सार्वजनिक रूप से इस बात से इंकार किया कि वह युद्ध को बढ़ावा दे रहा है और कहा कि वह शांतिपूर्ण समाधान और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देता है।

इस बयान के पीछे अमेरिका और सऊदी अरब के 80 साल पुराने गठजोड़ का संदर्भ भी है। 1945 में राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी.रूजवेल्ट और किंग अब्दुल अजीज की ऐतिहासिक बैठक से शुरू हुआ यह रिश्ता अमेरिका को सुरक्षा और सऊदी अरब को रणनीतिक स्थिरता देता है। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से एमबीएस का मजाक उड़ाया, लेकिन उनकी टिप्पणियों से यह साफ है कि वे खाड़ी देशों के अपने सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे देश ईरान संघर्ष के दौरान अमेरिका के साथ मजबूती से खड़े रहे, यहां तक कि नाटो सहयोगियों से भी अधिक समर्थन दिखाया। यह बयान वैश्विक राजनीति और तेल बाजारों पर असर डाल सकता है, क्योंकि मध्य पूर्व में तनाव अपने चरम पर है। ट्रंप की बेबाक टिप्पणी केवल व्यक्तिगत रिश्तों का खुलासा नहीं बल्कि अमेरिका-सऊदी रणनीतिक निर्भरता और मध्य पूर्व की जटिल राजनीतिक स्थिति का भी संकेत देती है। उनके इस बयान ने निवेशकों और राजनयिकों के लिए कई नई चुनौतियां और संभावनाएं पैदा कर दी हैं, और वैश्विक समुदाय की निगाहें अब खाड़ी क्षेत्र पर और अधिक केंद्रित हो गई हैं।

एशिया में नई जंग की आहट- जापान ने चीन की दहलीज तक

तैनात कीं लंबी दूरी की मिसाइलें

टोक्यो। एक ओर जहाँ पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल की ईरान के साथ जंग ने दुनिया को दहला रखा है, वहीं अब सुदूर पूर्व एशिया में भी एक नया और खतरनाक सैन्य मोर्चा खुलता नजर आ रहा है। जापान ने अपनी रक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए आक्रामक अंदाज में लॉन्ग-रेंज मिसाइलों की तैनाती शुरू कर दी है, जिसका सीधा निशाना चीन का मुख्य भूभाग है। जापान के अपग्रेडेड टाइप-12 मिसाइल सिस्टम, जिनकी मारक क्षमता अब 1000 किलोमीटर तक बढ़ाई जा चुकी है, चीन के रणनीतिक ठिकानों तक वार करने में सक्षम हैं।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के हालिया संकेतों ने बीजिंग की चिंता ब?ा दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि ताइवान के खिलाफ चीन की किसी भी सैन्य कार्रवाई का जवाब जापान सैन्य स्तर पर दे सकता है। जापान की नई योजना में राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में संशोधन कर मानवरहित घातक हथियारों और लंबी दूरी की मिसाइलों के जरिए अपनी सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाना शामिल है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जापान का यह कदम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल सकता है।

इन मिसाइलों की तैनाती कुमामोटो प्रान्त के कैंप केंगुन में की जा रही है, जहाँ भारी-भरकम मिसाइल लॉन्चर्स को आधी रात के अंधेरे में बेहद गोपनीय तरीके से पहुँचाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह गुपचुप तरीके से की गई सैन्य गतिविधि कोई सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक बड़ी रणनीतिक चेतावनी है। सरकार द्वारा पहले से कोई सूचना न दिए जाने के कारण स्थानीय स्तर पर विरोध भी शुरू हो गया है, लेकिन टोक्यो ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अब आक्रामक तैयारी ही एकमात्र विकल्प है। कुमामोटो के गवर्नर ताकाशी किमुरा ने इस गोपनीयता पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें इस महत्वपूर्ण तैनाती के बारे में मीडिया रिपोर्टों से पता चला, जो निराशाजनक है। इसके जवाब में क्षेत्रीय रक्षा ब्यूरो ने घोषणा की है कि 31 मार्च को पूर्ण तैनाती से पहले स्थानीय प्रतिनिधियों को उपकरणों की प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

ईरान के तेल भंडारों पर ट्रंप की नजर- खार्ग द्वीप पर कब्जे की दे डाली चेतावनी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमले रोकने की पिछली घोषणाओं के बावजूद दोनों देशों के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। हालिया घटनाक्रम में ट्रंप ने एक बार फिर उकसाऊ रुख अपनाते हुए कहा है कि अमेरिका ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर आसानी से कब्जा कर सकता है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि अमेरिका की नजर ईरान के विशाल तेल भंडारों पर है और वे इसे एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में देख रहे हैं।एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास ईरान के विरुद्ध कई सैन्य और रणनीतिक विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने अपनी मंशा जाहिर करते हुए कहा, सच कहूं तो, मेरी सबसे पसंदीदा चीज ईरान का तेल लेना है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका खार्ग द्वीप पर नियंत्रण कर सकता है, हालांकि इसका अर्थ यह भी होगा कि अमेरिकी सेना को वहां कुछ समय के लिए रुकना पड़ेगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की इस द्वीप पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कमजोर है और अमेरिकी सेना इसे बेहद आसानी से अपने नियंत्रण में ले सकती है। दूसरी ओर, रक्षा सूत्रों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विभाग ईरान में संभावित जमीनी अभियान की रूपरेखा तैयार कर रहा है। अधिकारियों का मानना है कि यदि कूटनीतिक प्रयास विफल होते हैं और ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य का उपयोग दबाव बनाने के लिए जारी रखता है, तो स्थिति सैन्य टकराव तक पहुंच सकती है। अमेरिका केवल खार्ग द्वीप ही नहीं, बल्कि लारक द्वीप, अबू मूसा और अन्य छोटे द्वीपों पर कार्रवाई करने जैसे विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने भी कड़े शब्दों में चेतावनी दी है।

रूस के सामने नहीं चली ट्रंप की दादागिरी, यूबा भेजा लाखों टन भर कच्चा तेल

क्यूबा को मिलेगी राहत, अमेरिका नहीं कर सका रूसी जहाज को रोकने की हिम्मत

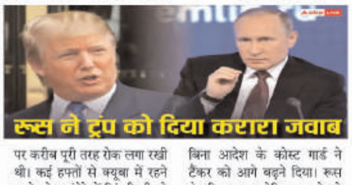

हवाना। दुनिया में 'तीसरा विश्वयुद्ध' कराने की ताकत रखे वाला जहाज अपनी मंजिल की तरफ बढ़ रहा है। रूस का एक बड़ा तेल टैंकर क्यूबा के करीब पहुंच गया और अमेरिका चाहकर भी उसे रोक नहीं पा रहा है। रूसी झंडे वाले इस टैंकर में करीब 7 लाख 30 हजार बैरल कच्चा तेल भरा है और यह क्यूबा के मातांजास बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह शिप कुछ ही घंटों में अपने गंतव्य तक पहुंच सकता है। इससे पहले भी एक और रूसी टैंकर करीब 6 लाख 50 हजार बैरल तेल लेकर क्यूबा के समुद्री क्षेत्र में दाखिल हो चुका है।

यह घटनाक्रम इसलिए खास है क्योंकि अमेरिका ने जनवरी से क्यूबा के चारों ओर तेल सप्लाई पर करीब पूरी तरह रोक लगा रखी थी। कई हफ्तों से क्यूबा में रहने वाले लोग अंधेरे में जिंदगी जी रहे हैं। न बिजली है और न ही गाड़ियों के लिए तेल। पूरा देश ट्रंप की दादागिरी के कारण परेशान है।

ट्रंप प्रशासन ने उन देशों को भी धमकी दी थी जो क्यूबा को ईंधन भेज रहे थे। यहां तक कि एक मामले में अमेरिकी जहाज ने क्यूबा जा रहे टैंकर को रास्ते से हटा दिया था, लेकिन इस बार तस्वीर बदल गई है। अमेरिकी कोस्ट गार्ड के पास मौके पर जहाज मौजूद थे, जो इस रूसी टैंकर को रोक सकते थे, लेकिन उन्हें कोई आदेश नहीं मिला। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक बिना आदेश के कोस्ट गार्ड ने टैंकर को आगे बढ़ने दिया। रूस के खिलाफ अमेरिका पहले से यूक्रेन में फंसा है। वहीं अमेरिका-ईरान की जंग में भी रूस ईरान की मदद कर रहा है।

विशेषज्ञ मान रहे हैं कि अमेरिका अब रूस से सीधा टकराव नहीं चाहता, खासकर ऐसे समय में जब वह पहले ही ईरान के साथ युद्ध में उलझा है और भारी नुकसान झेल चुका है। यही वजह है कि ट्रंप की सख्त चेतावनियों के बावजूद इस बार कार्रवाई नहीं हुई। यह शीत युद्ध की याद दिलाता है, जब क्यूबा सोवियत संघ के साथ था। रूस ने भी साफ कर दिया है कि वह क्यूबा के साथ खड़ा है।

रंगसंसार

रणवीर अल्लाहबादिया फिर चर्चा में

फेमस यूट्यूबर और पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। पिछले साल माता-पिता को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के चलते सुर्खियों में रहे रणवीर को लेकर अब कॉमेडियन कुणाल कामरा ने तीखा बयान दिया है। कामरा ने उन पर ञ्अच्छा बनने का ढोंगञ् करने का आरोप लगाया है। दरअसल, रणवीर अल्लाहबादिया ने कॉमेडियन समय रैना के शो ञ्इंडियाज गॉट टैलेंटञ् में एक अश्लील टिप्पणी की थी, जिसे लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भारी विरोध हुआ और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू की गई थी। उस समय यह मुद्दा काफी दिनों तक चर्चा में बना रहा। अब इस विवाद को करीब एक साल बीतने के बाद कुणाल कामरा ने एक बार फिर इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने रणवीर की सार्वजनिक छवि पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह खुद को सकारात्मक और प्रेरणादायक दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन असलियत कुछ और है। कामरा के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है, जहां यूजर्स दोनों के समर्थन में अपनी-अपनी राय रख रहे हैं।

आदित्य धर ने तोड़ी चुप्पी

निर्देशक आदित्य धर की फिल्म ञ्धुरंधर 2ञ् जहां एक ओर बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों का भरपूर प्यार बटोर रही है, वहीं दूसरी ओर यह विवादों में भी घिरती नजर आ रही है। फिल्म के कुछ दृश्यों को लेकर सिख समुदाय के एक वर्ग ने आपत्ति जताई है और धार्मिक भावनाएं आहत होने का आरोप लगाया है। इस मामले में मुंबई के एक सिख संगठन ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। विवाद बढ़ने के बाद अब निर्देशक आदित्य धर ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सोशल मीडिया पर एक लंबा बयान साझा किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि उनका उद्देश्य कभी भी किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। फिल्म को बनाते समय पूरी टीम ने संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का पूरा ध्यान रखा है। आदित्य धर ने यह भी स्पष्ट किया कि ञ्धुरंधर 2ञ् एक काल्पनिक कहानी पर आधारित है और इसे किसी धर्म या समुदाय विशेष से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने सभी दर्शकों से अपील की कि फिल्म को उसके मनोरंजन के उद्देश्य से ही देखा जाए और किसी तरह की गलतफहमी से बचा जाए।

राम के किरदार की अगली झलक जारी होगी 2 अप्रैल को

मुंबई बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण में रणबीर कपूर को भगवान राम के रूप में देखने का इंतजार कर रहे फैंस के लिए अब एक बड़ी खबर सामने आई है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में लंबे समय से जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने इस बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक की तारीख का खुलासा कर दिया है।

नमित मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि फिल्म से ञ्रामञ् के किरदार की अगली झलक 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर जारी की जाएगी। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि ञ्रामायणञ् सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं से जुड़ी हुई है। इसी वजह से पूरी टीम ने इस प्रोजेक्ट पर बेहद जिम्मेदारी और समर्पण के साथ काम किया है, ताकि इसे भव्यता और वास्तविकता के साथ दर्शकों के सामने पेश किया जा सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह झलक किसी साधारण रिलीज की तरह नहीं होगी, बल्कि इसे एक बड़े स्तर पर दुनिया भर के दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने फैंस के धैर्य और विश्वास के लिए उनका धन्यवाद भी किया और कहा कि कई वर्षों की मेहनत को अब एक भव्य लॉन्च के जरिए साझा किया जाएगा।

इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं और इसमें कई बड़े सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। साई पल्लवी सीता के किरदार में दिखाई देंगी, जबकि यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में अमिताभ बच्चन और लारा दत्ता भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। मालूम हो कि फिल्म ञ्रामायणञ् को बड़े बजट और भव्य स्तर पर तैयार किया जा रहा है, जिससे यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बन सकती है।

तारा सुतारिया का ग्लैमरस अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उनका नाम एक्टर वीर पहाड़िया के साथ ब्रेकअप की खबरों को लेकर चर्चा में रहा, जिसके बाद से फैंस उनकी निजी जिंदगी को लेकर काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इन खबरों के बीच तारा को कई मौकों पर अकेले स्पॉट किया गया, जिससे अलगाव की अटकलों को और बल मिला। हालांकि, अब एक्ट्रेस का ताजा अंदाज कुछ अलग कहानी बयां करता नजर आ रहा है। हाल ही में तारा सुतारिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टनिंग सेल्फी शेयर की है, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। इस सेल्फी में तारा का ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक साफ झलक रहा है। उनका स्टाइल, एक्सप्रेशन और सादगी भरा मेकअप फैंस को खूब पसंद आ रहा है। पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई। फैंस उनके इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं और उन्हें ञ्स्टॉन्गञ् और ञ्गॉर्जियसञ् बता रहे हैं। तारा का यह नया लुक यह संकेत देता है कि वह अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हुए खुद पर फोकस कर रही हैं। ब्रेकअप की खबरों के बीच उनका यह आत्मविश्वास भरा अंदाज फैंस के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

भोलाञ् पर कानूनी विवाद गहराया

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म ञ्भोलाञ् को लेकर एक नया कानूनी विवाद सामने आया है। तमिल फिल्म कैथी के निर्माताओं ने इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर करते हुए रीमेक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इस कदम के बाद फिल्म एक बार फिर चर्चा में आ गई है। निर्माताओं का दावा है कि ञ्भोलाञ् बनाते समय किए गए समझौते की शर्तों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि फिल्म की कहानी और उसके प्रस्तुतिकरण में ऐसे बदलाव किए गए हैं, जो मूल अनुबंध के दायरे से बाहर हैं। इससे उनके बौद्धिक संपदा अधिकार प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह विवाद फरवरी 2020 में हुए शुरुआती समझौते से जुड़ा है, जिसमें बाद में रिलायंस एंटरटेनमेंट भी शामिल हुई थी। 29 मार्च 2023 को हिंदी रीमेक को लेकर एक औपचारिक एग्रीमेंट साइन किया गया था, लेकिन प्रोडक्शन हाउस का आरोप है कि इस करार की शर्तों का सही तरीके से पालन नहीं हुआ। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि तय समयसीमा के भीतर भुगतान नहीं होने पर समझौता समाप्त माना जा सकता है और अधिकार उनके पास लौट सकते हैं।

बलात्कार पीड़ता की मां को टिकट

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने रेप पीड़िता की मां को चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा कैसे चुनाव जीता जाता है। यह अच्छी तरह से जानती है। आरजी मेडिकल कॉलेज में जिस पीड़िता की जान गई। उसके नाम पर लोकसभा का चुनाव जीत लियाङ्गअब भावात्मक रूप से विधानसभा का चुनाव जीतने भाजपा ने मां को चुनाव मैदान में उतार दिया है। चुनाव कैसे जीतना है, इसमें भाजपा मास्टर है। भावात्मक मुद्दों पर ही भाजपा चुनाव जीत पाती है।

शंकराचार्य नहीं होंगे गिरफ्तार

लगता है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिन ठीक नहीं चल रहे हैं। वह शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज को जेल भेजकर,गौरक्षा आंदोलन से बचना चाहते थे। हाईकोर्ट ने शंकराचार्य की जमानत मंजूर करके योगी महाराज की इच्छा पूर्ण नहीं होने दी। अब योगी महाराज का श्राप किसके ऊपर टूटेगा। समय आने पर ही पता लगेगा। अभी तो ऐसा लग रहा है। शंकराचार्य का श्राप योगी महाराज को लग गया है।

दैनिक पंचांग

31 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.40 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	08.20 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.18 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.48 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.59 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.10 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.25 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.41 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मकर	01.46 बजे से
		कुंभ	03.32 बजे से
		मीन	05.05 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 90 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 06.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 15.21 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 15.42 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 06.56 बजे तदनन्तर गर 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872665
जूलियन दिन 2461130.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 11
विशेष महावीर स्वामी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagrutidaur.com, Bangalore

तमिलनाडु में सीटों का बंटवारा

तमिलनाडु में इंडिया गठबंधन के डीएमके और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। इंडिया गठबंधन में 26 राजनीतिक दल शामिल हैं। किसी भी राज्य में यह राजनीतिक दलों का सबसे बड़ा गठबंधन है। डीएमके 165 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस 28 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बाकी 24 राजनीतिक दलों मे 41 सीटों का बंटवारा हुआ है। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। गठबंधन को लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच अटकलों का दौर चल रहा था। जो अब समाप्त हो गया है।

सरकार ने जो सोचा नहीं था वह हो रहा है?

जिस तरह के हालात भारत में देखने को मिल रहे हैं। इसकी कल्पना केंद्र सरकार ने कभी नहीं की थी। जिस तरह से पेट्रोल-गैस और खाद का संकट आया है। देश में महंगाई बढ़ रही है। टैक्स राजस्व सरकार का कम हो रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिरता चला जा रहा है। खाद का संकट और भी गहराएगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का कर्ज आसमान छू रहा है। ऐसी स्थिति में कच्चे तेल और गैस के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ना तय है। जीडीपी घटने की आशंका से सरकार हैरान परेशान है। शेयर बाजार में लगातार उठापटक मची हुई है। आयातित सामान महंगा हो गया है। भगवान रामराज की सरकार के साथ ऐसा करेंगे,यह बीजेपी और सरकार ने नहीं सोचा था। एक मुसीबत जाती नहीं है दो नई मुसीबतें आ जाती हैं।

संकट से हनुमान छुड़ावे....

जयंती विशेष (2अप्रैल)

आज जब समूचा विश्व बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं, नित नई बीमारियों और विभिन्न देशों के बीच परस्पर बढ़ते तनाव-युद्ध से होने वाली मौतों से उपजे वातावरण का सामना कर रहा है और भयभीत व चिंताग्रस्त मनुष्य संकट से शीघ्र मुक्ति की प्रार्थना कर रहा है, तब इन परिस्थितियों में संकट मोचक हनुमान का स्मरण हो आना स्वाभाविक है, क्योंकि कलयुग में एक मात्र हनुमान ही ऐसे जाग्रत देवता माने गए हैं जो हमें संकट से मुक्ति दिला सकते हैं। अपने भक्तों को संकट से उबारने की शक्ति व कृपा के कारण ही उन्हें संकटमोचक नाम दिया गया है।

हनुमान के महाबलशाली होने के संबंध में उनकी बाल्यावस्था से जुड़ा प्रसंग है। अपनी बाल्यावस्था में एक बार जब हनुमान ने भूख की प्रबलतावश भगवान सूर्य को फल मान कर आहार के रूप में ग्रहण कर लिया तो समूचे ब्रह्मांड में अंधकार छा गया। चिंतित देवी-देवताओं ने इसका कारण जानकर जब उनसे भगवान सूर्य को मुक्त करने का अनुरोध किया तब इस अनुरोध पर हनुमान ने भगवान सूर्य को अपने मुख से पुनः मुक्त कर दिया। इसके बाद हर्षित-प्रफुल्लित सभी देवी-देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद के साथ अपनी अंशात्मक शक्तियां भी प्रदान की। अपनी शक्तियों के साथ सभी देवी-देवताओं की अंशात्मक शक्तियां प्राप्त होने से हनुमान अतुलनीय बल-बुद्धि के स्वामी हो गए।

अतः संसार के किसी भी संकट से संकटमोचन हनुमान ही हमें उबार सकते हैं। हमें उनका ध्यान कर सभी प्रकार के संकट से मुक्ति की प्रार्थना सदैव करना चाहिए। लेकिन एक बात का हमें अवश्य ध्यान रखना होगा कि पवनपुत्र हनुमान को श्राप है कि उन्हें अपनी शक्ति का भान नहीं रहेगा। उन्हें उनकी शक्ति का भान कराना पड़ता है। इस संबंध में सर्वाधिक प्रचलित प्रसंग के अनुसार बचपन में अपनी नटखट शरारतों के चलते जब उन्होंने ऋषि-मुनियों के आश्रम में पहुंचकर आश्रम को नुकसान पहुंचाया और उनके धार्मिक अनुष्ठानों में बाधा पहुंचाई तो ऋषि-मुनियों ने उन्हें यह श्राप दे दिया, लेकिन बाद में अपना क्रोध शांत होने पर उन ऋषि-मुनियों ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उन्हें भान कराने पर ही अपने बल का स्मरण होगा।

रामचरित मानस के किष्किंधा कांड के प्रसंग के अनुसार लंका जाकर सीता की खोज का जब प्रश्न खड़ा हुआ तो जामवंत ने हनुमान को उनकी शक्तियों का भान कराया था और अपनी शक्तियों का भान होने के बाद ही हनुमान ने लंका पहुंच कर सीता का पता लगाया था।

अतः यदि हम उक्त चौपाइयों का पाठ कर महावीर हनुमान को उनकी शक्ति का स्मरण कराएं और उन्हें प्रसन्न कर संकट मुक्ति हेतु कृपा मांगें तो वे निश्चित ही हमें अभय प्रदान करेंगे। रामभक्त हनुमान को प्रसन्न करने का सीधा व सरल उपाय है उन्हें सिंदूर चढ़ाना। सिंदूर लेपन से वे अत्यंत प्रसन्न होते हैं। इसकी वजह उनका स्वामी भक्ति या निष्ठा से जुड़ा प्रसंग सर्वाधिक प्रचलित है।

प्रसंग के अनुसार एक बार माता सीता को मांग में सिंदूर भरते देख हनुमानजी ने उनसे इसका कारण पूछा। माता सीता में उन्हें बताया की ऐसा करने से उनके स्वामी अर्थात प्रभु राम की उम्र व उनके प्रति प्रेम बढ़ता है। तब यह सोचकर कि माता सीता की मांग में भरे चुटकी भर सिंदुर से यदि उनके स्वामी की उम्र व प्रेम बढ़ जाता है तो पूरे शरीर पर सिंदूर लगाने से प्रभु राम की उम्र व उनके प्रति प्रेम कितना बढ़ जाएगा? ऐसा सोचकर उन्होंने अपने पूरे शरीर पर सिंदूर लगा लिया। ऐसा करने के बाद जब वे प्रभु श्रीराम व माता जानकी के सामने पहुंचे तो उन्होंने उनका यह स्वरूप देखकर हंसते हुए हनुमान से इसका कारण पूछा।

हनुमान ने जब उन्हें अपने मन की बात बताई तो प्रभु श्रीराम व जानकी ने अपने प्रति उनकी निष्ठा, भक्ति व प्रेम से अभिभूत होकर उन्हें यह आशीर्वाद दिया कि जो कोई भक्त उन्हें सिंदूर चढ़ाएगा उसके सभी संकट शीघ्र समाप्त हो जाएंगे और उसकी सभी मनोकामना पूरी होगी।

रथयात्रा उत्सव

चेन्नई: तमिलनाडु के चेन्नई शहर के मायलापुर स्थित कपलेश्वर मंदिर में रविवार को आयोजित वार्षिक रथयात्रा उत्सव में लोग भाग लेते हुए।

जीवन को आनंदमय बनाने का मार्ग सांख्य योग

गीता सार : अध्याय दो का संदेश

गीता के हर अध्याय में जीवन के लिए कुछ न कुछ गूढ़ संदेश है। गीता सार के इस अंक में हम दूसरे अध्याय के संदेश को समझेंगे। भगवद गीता के दूसरे अध्याय में सांख्य योग के बारे में विस्तार से बताया गया है। सांख्य योग के तहत आत्मा की अमरता, कर्मयोग और स्थितप्रज्ञ (स्थिर बुद्धि) के महत्व का संदेश देता है। कृष्ण अर्जुन को समझाते हैं कि आत्मा अविनाशी है, इसलिए मृत्यु का शोक न करें। मुख्य संदेश अपने कर्तव्य (स्वधर्म) का पालन है, और सुख-दुःख में समभाव रखना है। इसमें आत्मजनों को सामने देख कर दुखी अर्जुन को कृष्ण संदेश देते हैं कि आत्मा न जन्म लेती है, न मरती है; यह नित्य और अविनाशी है।

शरीर नष्ट होता है, आत्मा नहीं। मानव का केवल कर्म पर अधिकार है, इसलिए अपना कर्तव्य निभाएं। समत्व ही योग है। सुख-दुःख, लाभ-हानि, जय-पराजय को समान समझकर कर्म करना ही 'योग' है। जो व्यक्ति इच्छाओं, क्रोध और भय से मुक्त होकर, अपनी इंद्रियों को वश में रखता है, वह स्थितप्रज्ञ (ज्ञान में स्थिर) है। इंद्रिय विषयों से अनासक्ति और बुद्धि का आत्मनियंत्रण ही शांति और ईश्वर से मिलन (ब्रह्म की अवस्था) का मार्ग है। यह अध्याय हमें सिखाता है कि मानसिक अशांति को दूर करके, अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए, निस्वार्थ भाव से कर्म करना ही सच्चा जीवन है।

युद्ध में जब सामे परिजन खड़े हैं तो दुःख से व्याकुल अर्जुन की आंखों से आंसू बहने लगते हैं। वह अपना धनुष-बाण नीचे रख देता है और युद्ध करने से इनकार कर देता है। वे कृष्ण के समक्ष आत्मसमर्पण करते हुए कहते हैं , 'मैं आपका शिष्य हूं, मेरा मार्गदर्शन कीजिए। अब कृष्ण समझ जाते हैं कि अर्जुन सुनने-समझने के लिए तैयार है। जीवन में अधिकांश समय हम सुनाने तो तत्पर रहते हैं, सुनने व समझने के लिए तैयार ही नहीं होते हैं। तब अर्जुन से कृष्ण कहते हैं, पार्थ तुम एक अस्थायी संकट से गुजर रहे हो और यही तुम्हारी उलझन है। ज्ञानी व्यक्ति न तो जीवित के लिए शोक मनाते हैं और न ही मृत के लिए।

इस प्रकार कृष्ण आत्मा की अविनाशिता सर्वोच्च ज्ञान को प्रस्तुत करती है कृष्ण कहते हैं, आत्मा, यानी आपका वास्तविक स्वरूप, कभी नहीं मरता। मन और बुद्धि भी नष्ट नहीं होते। मृत्यु के समय बस इतना होता है कि आप उस शरीर और वातावरण को पीछे छोड़ देते हैं, जो अब आपकी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता, और एक ऐसे शरीर और परिस्थितियों में प्रवेश करते हैं जो आपकी इच्छाओं की पूर्ति के लिए अधिक उपयुक्त हैं। ठीक वैसे ही जैसे कोई व्यक्ति फटे-पुराने कपड़े उतारकर नए कपड़े पहनता है। आधुनिक विज्ञान में इसे ऊर्जा का सिद्धांत माना गया है।

कृष्ण कहते हैं, ऐसा कभी नहीं हुआ जब तुम और मैं अस्तित्व में नहीं थे, और न ही कभी ऐसा समय आएगा, जब हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। हमारे चारों ओर सब कुछ बदलता रहता है। जो इन उतार-चढ़ावों से विचलित नहीं होता और सुख-दुख में समभाव बनाए रखता है, वही अमरत्व के योग्य है। जन्म और मृत्यु के इस चक्र में कर्म करना आपका कर्तव्य है। हम सब जीवन के युद्ध में योद्धा हैं। हममें से प्रत्येक का कुछ कर्तव्य है जिसे हमें निभाना है। जो करना है उसे बिना किसी आसक्ति के करो। तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने का है। यदि तुम ऐसा करोगे तो जन्म-मृत्यु के दुख और बंधन से मुक्त हो जाओगे। फिर ध्यान के माध्यम से तुम भ्रम के समूह से ऊपर उठकर ईश्वरत्व की अवस्था को प्राप्त करोगे।

कृष्ण के अनुसार, पूर्ण पुरुष वह है जिसने आत्मा में पूर्णता प्राप्त कर ली हो और मन से सभी इच्छाओं का पूर्णतः त्याग कर दिया हो। इच्छा ही आपकी शक्ति और सामर्थ्य को छीन लेती है। पूर्णता प्राप्त करने के लिए आपको इच्छा का त्याग करना होगा। हालांकि, इच्छा को मात्र इच्छा से दूर नहीं किया जा सकता। आप केवल एक उच्चतर इच्छा को अपना सकते हैं, जो अधिक तृप्तिदायक और संतुष्टिदायक हो। परिणामस्वरूप, निम्न स्तर के आकर्षण और प्रलोभन स्वतः ही समाप्त हो जाते हैं। अपने जीवन पर गौर करें। बचपन में आप खिलौनों से मोहित थे। आज आपको खिलौनों की कोई इच्छा नहीं है। यह इच्छा कैसे दूर हुई? क्या आपने कभी इसे त्यागने का निर्णय लिया? नहीं। आप बस अधिक तृप्त करने वाली चीजों की ओर बढ़ गए, जिसके परिणामस्वरूप खिलौनों की इच्छा समाप्त हो गई। यही सिद्धांत अब भी लागू होता है। एक आध्यात्मिक बच्चे के रूप में आप भौतिक और सांसारिक खिलौनों से चिपके रहते हैं। भावनात्मक सुखों की ओर बढ़ें और भौतिक मोह-माया आप पर अपना प्रभाव खो देती है। एक बौद्धिक आदर्श को अपनाएं और भावनात्मक लगाव भी अपना आकर्षण खो देते हैं। आत्मा में पूर्णतः विलीन हो जाएं और कोई भी चीज आपको रोक नहीं पाएगी। सभी इच्छाएं समाप्त हो जाएंगी। आप अपनी अमरता पुनः प्राप्त कर लेते हैं। जैसे-जैसे आप इच्छाओं से ऊपर उठते हैं, इच्छा की वस्तुएं बिना खोजे ही आपके पास आ जाती हैं। जीवन के लक्ष्य अनासक्त रह कर निरंतर कर्मशील बन कर हासिल किए जा सकते हैं।

कृष्ण आत्म-नियंत्रण का सूत्र बताते हैं। एक शक्तिशाली बुद्धि के साथ आप उच्चतर अवस्थाओं की ओर अग्रसर होते हैं। वे सुख की परिभाषा के साथ अपना संदेश समाप्त करते हैं। हम सभी सुख की तलाश करते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि यह कहां है या इसे कैसे प्राप्त किया जाए। इसका उत्तर है सांख्य योग का मार्ग। इस मार्ग में आनंद भी है और सुख भी।

300 मैच खेलने वाली पहली फ्रेंचाइजी टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुम्बई। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले ही मैच में उतरने के साथ ही अपने 300 मैच पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अब मुम्बई की टीम आईपीएल में 300 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में केकेआर के खिलाफ मुम्बई ने सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के साथ ही जीत दर्ज कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। आईपीएल ही नहीं विश्व की कोई अन्य फ्रेंचाइजी टीम 300 मैच नहीं खेल पायी है। कर मुम्बई ने केकेआर के खिलाफ मैच में उतरने के साथ ही अपना 278वां आईपीएल मैच खेला।

मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे रहाणे

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि वह मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे हैं। उन्हें मुम्बई इंडियंस के खिलाफ शुरुआती मैचों में ही ये खिंचाव आया था। इस कारण उन्हें मैदान से भी बाहर जाना पड़ा था। आईपीएल के इस सत्र में पहले ही केकेआर के कई खिलाड़ी फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में कप्तान के चोटिल होने से केकेआर की राह और कठिन होती जा रही है। इससे केकेआर के प्रशंसकों में भी निराश है। रहाणे के बाहर होने के कारण मुम्बई के खिलाफ इस मैच में ऑलराउंडर रिंकू सिंह ने कप्तानी संभाली थी।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये।

सैम करन बोले, कोच मैक्कुलम से उनका हुआ था टकराव

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की के रवैये पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। हाल ही में लियाम लिविंगस्टोन और जॉनी बेयरस्टो ने इन दोनो की नीतियों पर सवाल उठाये थे। वहीं अब ऑलराउंडर सैम करन ने कहा है कि एक बार टीम से बाहर किये जाने पर उनका कोच से टकराव तक हो गया था।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

शाम 7.30 से से होगा मैच

मुल्लांपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे।

परिवार के दबाव में संन्यास लेते हैं खिलाड़ी - योगराज

चंडीगढ़ । पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह अपने बयानों के कारण हमेशा ही विवादों में घिरे रहते हैं। अब योगराज का कहना है कि अधिकतर खिलाडियों को इसलिए संन्यास लेना पड़ता है क्योंकि उनपर परिवार का दबाव होता है। योगराज ने साफ कहा कि उम्र को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड़ना गलत है। उनके अनुसार फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर ही किसी खिलाड़ी को आंकना चाहिये ना कि उम्र के आधार पर।योगराज ने कहा कि, भारत में लोग 40 की उम्र होते ही अपने को बूढ़ा मानने लगते हैं, वहीं महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं इसलिए खेलना अब छोड़ दो पर मेरा मानना है कि खेल को उम्र से जोड़ना सही नहीं है। योगराज ने कहा कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो जबकि मेरा मानना है कि खिलाड़ी और उसके करियर के बीच किसी को बाधक नहीं बनना चाहिए। एक खिलाड़ी जब तक फिट है खेल सकता है। योगराज ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी अभी खेलते रहना चाहिये क्योंकि अभी दोनो फिट है और इनके अंदर काफी क्रिकेट बचा हुआ है।

इसलिए दोनो को ही मैदान में जमे रहकर दिखाना चाहिये कि वह दोनो अभी भी शीर्ष पर हैं।

टेलर-कैटरीना ने जीता मियामी ओपन टेनिस का महिला युगल खिताब

मियामी । अमेरिका की टेलर टाउनसेंड ने अपनी चेक गणराज्य की जोड़ीदार कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर मियामी ओपन टेनिस खिताब जीता लिया है। । टेलर और कैटरीना की जोड़ी ने महिला युगल के फाइनल में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से पराजित किया। इस जीत के साथ ही टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए सनशाइन डबल पूरा किया है। टेलर और कैटरीना साल 2019 के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली जोड़ी बन गई हैं। इससे पहले साल साल 2019 में यह विशेष उपलब्धि एलिस मर्टेंस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर और कैटरीना सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी है। इससे पहले नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा ने साल (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006, 2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेंस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टाउनसेंड और सिनियाकोवा का ये पांचवां खिताब है। इससे पहले इन दोनो ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब 2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में हासिल किये थे। इस जीत के साथ ही टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच गयी हैं जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच गयी हैं।

अभी विराट और बेह्तर प्रदर्शन करेंगे : रायुडू

टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने विराट कोहली के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभी उनका और भी बेहतर प्रदर्शन आईपीएल में देखने को मिलेगा। रायुडू के अनुसार जिस प्रकार विराट ने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे पता चला है कि इस बार वह और भी बेहतर लय में हैं। उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ 38 गेंदों पर ही नाबाद 69 रन बना दिये। उनकी इस पारी में पांच चौके और इतने ही छक्के थे। इससे आरसीबी 15.2 ओवर में ही लक्ष्य तक पहुंची। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, पूरी पारी के दौरान विराट की बल्लेबाजी बेहतर होती गयी। इससे तय है कि जैसे-जैसे वह और जमेंगे हमें उनकी और अच्छी पारियां देखने को मिलेंगी। शुरुआत में वह कुछ परेशान पर समय के साथ उन्होंने लय हासिल कर ली। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा हमने जो देखा है, वह तो बस एक ट्रेलर है। फिटनेस उनके लिए कभी कोई मुद्दा नहीं रही। मुझे नहीं लगता कि उन्हें अपनी शारीरिक फिटनेस, गेंद पर देर से पहुंचने, या मैदान पर धीमे पड़ने को लेकर कभी कोई परेशानी होगी। एकमात्र चीज़ जो उन्हें पीछे धकेल सकती है, वह है उनकी मानसिक स्थिति। मुझे नहीं लगता कि उनका करियर खत्म होने के करीब भी है। मुझे अभी भी उनमें पांच से छह साल का बेहतरीन खेल बाकी दिखता है। मुझे लगता है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए। वह भारतीय क्रिकेट में अब तक के सबसे बेहतरीन टेस्ट कप्तान रहे हैं, जिन्हें कम से कम मैंने तो देखा है। उन्हें वापसी करनी चाहिए; जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि उनका बाहर रहना भारतीय क्रिकेट के लिए एक नुकसान है,- उन्होंने आगे कहा। अगर आप उन्हें कप्तानी सौंपते हैं, तो यह उनके लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा होगी। मुझे लगता है कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतना उनके लिए एक शानदार चुनौती होगी। वह इतने फिट हैं कि मुझे नहीं लगता कि फिटनेस कोई चिंता का विषय हो सकता है। वहीं आरसीबी के पूर्व हेड कोच संजय बांगर के अनुसार, विराट की धीमी शुरुआत एक रणनीति का हिस्सा थी।

रोहित ने आईपीएल में विराट का एक रिकार्ड तोड़ा

एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाये

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने . आईपीएल के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेली अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही विराट कोहली का एक बड़ा रिकार्ड भी तोड़ दिया। रोहित ने 38 गेंद में 78 रन बनाये। इसी के साथ ही रोहित ने टी20 में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का विराट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने मुंबई इंडियंस और डेक्कन चार्जर्स के लिए केकेआर के खिलाफ 36 आईपीएल मैचों में कुल 1161 रन बनाए हैं।

गौरतलब है कि अब तक विश्व का कोई भी बल्लेबाज टी20 क्रिकेट में एक ही टीम के खिलाफ 1161 रनों से अधिक नहीं बना पाया है। वहीं विराट ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 36 मैचों में कुल 1160 रन बनाए हैं। इससे अब विराट दूसरे स्थान पर फिसल गये हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 36 मैचों में 1159 रन और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 32 मैचों में 1154 रन बनाए हैं।

रोहित ने केकेआर के खिलाफ सभी 36 मैच आईपीएल में ही खेले हैं। मुंबई इंडियंस के लिए 30 आईपीएल मैचों में उन्होंने 1045 रन बनाए हैं। वहीं डेक्कन चार्जर्स के लिए केकेआर के खिलाफ छह आईपीएल मैचों में 116 रन बनाये हैं। कोहली ने सीएसके के खिलाफ 36 टी20 मैचों में 1160 रन बनाए हैं। उन्होंने आईपीएल में उनके खिलाफ 35 मैचों में 1146 रन बनाए हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए सीएसके के खिलाफ एक चैंपियंस लीग टी20 मैच भी खेला था, जिसमें 14 रन बनाए थे। केकेआर के खिलाफ आईपीएल में 1161 रन बनाने के अलावा, रोहित ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी क्रिकेट लीग में 1057 रन बनाये हैं।

मुंबई इंडियंस अपना दूसरा आईपीएल 2026 मैच शनिवार (4 अप्रैल) को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी, और उस मैच में रोहित के पास दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का अवसर रहेगा।

अब अमेरिका में मेजर लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई । दिग्गज पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब अमेरिका में मेजर लीग (एमएलसी) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे। अश्विन ने इस लीग में खेलने के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स फ्रैंचाइजी से करार किया है। इसके साथ ही अश्विन अमेरिकी लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। अश्विन ने दिसंबर 2024 में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद पिछले साल वह आईपीएल में सीएसके की ओर से उतरे थे पर उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। ऐसे में लीग के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसी कारण अब वह विदेशी लीग की ओर मुड़े हैं।

वह पहली बार आईपीएल के अलावा किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलते दिखेंगे। ये पहली बार होगा जब वह आईपीएल के अलावा किसी लीग में खेलते दिखेंगे। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर के साथ करार किया था पर तब फिट नहीं होने के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। साल 2024 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन वॉशिंगटन फ्रीडम से हार गए थे। ऐसे में टीम को अब उम्मीद रहेगी कि अश्विन के आने से उसे जीत मिलेगी।

वहीं अश्विन भी इस लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस लीग से अमेरिका में क्रिकेट का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा,हाल ही में मैंने डलास में एक प्रदर्शनी मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों का क्रिकेट के प्रति जुनून देखकर मुझे आश्चर्य हुआ था। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल के प्रति प्यार दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं इस लीग में खेलने जा रहा हूं। साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट भी शामिल किया गया है। उससे भी अमेरिका में क्रिकेट के प्रति आकर्षण बढ़ा है। ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है। इसी को देखते हुए भी क्रिकेट अमेरिका इस अवसर को भुनाना चाहता है। इसी को देखते हुए एलएलसी के मुख्य कार्यकारी जॉनी ग्रेव ने कहा, अश्विन जैसे खिलाड़ी का हमारे साथ जु?ना यह बताता है कि पिछले तीन सालों में हमारी लीग कितनी आगे बढ़ी है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं। एमएलसी भारती की आईपीएल से भी जुड़ी है। इस लीग की 6 में से 3 टीमों के मालिक आईपीएल से जुड़े हैं। इसमें एमआई न्यूयॉर्क, मुम्बई इंडियंस , टेक्सास सुपर किंग्स ,सीएसके और एलए नाइट राइडर्स, केकेआर से जुड़ी है। एमएलसी का चौथा सत्र 18 जून से शुरू होगा। इसका खिताबी मुकाबला ऑकलैंड में 18 जुलाई को खेला जाएगा।

पीएसएल नियमों को तोड़कर अपने दोस्तों को होटल में ले जाने पर फंसे शाहीन और रजा

लाहौर। पाकिस्तान में प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और ऑलराउंडर सिकंदर रजा पर अपने चार साथियों को बिना अनुमति होटल में ले जाने का आरोप लगा है। शाहीन और रजा के इस कदम को सुरक्षा प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन मानते हुए अधिकारियों ने जांच शुरु कर दी है। इस मामले मे एक डिप्टी पुलिस इंस्पेक्टर ने पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर को पत्र भी लिखा है। इस पत्र में शाहीन और रजा पर शनिवार रात चार मेहमानों को जबरन एक खिलाड़ी के होटल रूम में ले जाने की शिकायत की गयी है। पत्र में यह भी कहा गया है कि पीसीबी ने पहले ही कलंदर्स की उस मांग को खारिज कर दिया था, जिसमें रजा के जानने वाले चार लोगों को उनके होटल रूम में जाने की अनुमति मांगी गई थी। पत्र में कहा गया, -इस अनुरोध को खारिज कर दिया गया था।

. इसके बाद कलंदर्स के मालिक समीम राणा ने नसीर से इसकी अनुमति मांगी, लेकिन सुरक्षा कारणों से इस अनुरोध को भी ठुकरा दिया गया।

इस पत्र में आगे आरोप लगाया गया है कि ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों को नहीं मानते हुए शाहीन और रज़ा ने चार मेहमानों को जबरन होटल रूम तक पहुंचाया। वहीं कलंदर्स के मीडिया प्रमुख उमर फारूक ने कहा कि वह इस मामले में पीएसएल के संपर्क में हैं।

उमर ने कहा, हमें लाहौर कलंदर्स के दो खिलाड़ियों से जुड़े एक मामले की जानकारी है और हम इस पर पीएसएल के साथ संपर्क में हैं।+ पुलिस के पत्र में घटना की समीक्षा करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरुरी कदम उठाने की अपील की गई है।

पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ करते पाये गये फखर जमां

शाहीन, हारिस और राउफ की भी जांच होने की संभावना

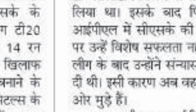

लाहौर। पाकिस्तान में पाक सुपर लीग (पीएसएल) 2026 की शुरुआत में ही विवाद हो गया है। सुपर लीग में गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद एक बार फिर हड़कंप मचा हुआ है। इससे पाक क्रिकेट में व्याप्त बेइमानी की पोल एक बार फिर खुल गयी है।

इस बार बल्लेबाज फखर जमां गेंद से छेड़छाड़ करते हुए पाये गये हैं जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इस मामले में फखर के अलावा कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, गेंदबाज हारिस राउफ और बल्लेबाज फखर जमां पर भी कार्रवाई होने की संभावनाएं हैं। गेंद से छेड़छाड़ का ये मामला पीएसएल के लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स मैच का है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीएसएल का छठा लीग मैच लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेला जा रहा था। इस मैच में कम रन बने थे पर अंतिम ओवर में गेंद से छेड़छाड़ शुरु हो गयी। इसमें शाहीन और राउफ के भी शामिल होने का संदेह है।

फखर जब गेंद से छेड़छाड़ कर रहे थे तब कैमरे की नजरें उनपर बनीं थीं। इस मैच में लाहौर कलंदर्स को अंतिम ओवर में जीत के लिए 13 रन बनाने थे। इसी दौरान जब कप्तान शाहीन अंतिम ओवर फेंकने आए तब हारिस और फखर योजना बना रहे थे। इस दौरान एक खिलाड़ी पानी भी लेकर आया।

आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज है ऋषभ

ईशान छठवें स्थान पर आये

मुम्बई । आईपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। उन्होंने 2080 गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाए हैं। ऋषभ अभी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और इस सत्र में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी।

सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में सूची में दूसरे नंबर पर पूर्व ऑलराउंडर युसूफ पठान हैं। पठान ने 2082 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूची में तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव का नाम है। यादव ने 2130 गेंदों का सामना करते हुए आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए हैं।इस सूची में चौथे स्थान पर पूर्व बल्लेबाज और सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने 2135 गेंदों में 3000 रन बनाए हैं। रैना के बाद इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी का नाम है। धोनी इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 2152 गेंदों में 3000 रन बनाने का कारनामा किया है। वहीं स सूची में अब 6वें नंबर पर ईशान किशन का नाम आ गया है और उन्होंने 2180 गेंदों में अपने तीन हजार रन पूरे किए है। लोकेश राहुल सूची में 7वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 2203 गेंदों में 3000 रन बनाए थे। सनराजइर्स हैदराबाद की कप्तान संभाल रहे ईशान किशन ने आईपीएल के इस सत्र के पहले ही मैच में अपने इरादे जता दिये हैं। ईशान ने पहले ही मैच में 8 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 80 रन बनाकर किशन का स्ट्राइट रेट 210 से ज्यादा का रहा। इस धमाकेदार पारी के साथ ईशान ने 2180 गेंदों पर अपने 3000 रन पूरे किये।

ईशान के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2016 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह लगातार आगे बढ़ते रहे हैं।

ईश्वरचंद्र विद्यासागर महाविद्यालय जवा का रजत जयंती समारोह पांच को

रीवा ईश्वरचन्द्र विद्यासागर महाविद्यालय जवा, 32 वां वर्ष का रजत जयंती समारोह 05 अप्रैल रविवार को मनाया जायेगा। इस गरिमामयी आयोजजन की तैयारियां महाविदयालय परिवार द्वारा जोर शोर से जारी है। विद्यासागर शिक्षा समिति के अध्यक्ष रमाशंकर मिश्र ने बताया कि ईश्वरचंद्र विद्यासागर शिक्षा समिति खुटेही द्वारा संचालित स्नातकोत्तर महाविद्यालय जवा का 32 वां वर्ष के पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह नवनिर्मित शिक्षा तथा महाविद्यालय के पूरा छात्र/छात्रा का सम्मान समारोह के अवसरपर आपको आमंत्रित करते हुए महाविद्यालय परिवार प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है। उक्त कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि राजेन्द्र शुक्ल उप मुख्यमंत्री मप्र शासन अध्यक्षता जनार्दन मिश्र जी सासद रीवा विशिष्ट अतिथि मान. श्री दिव्यराज सिंह विधायक सिरमौर नीता कोल अध्यक्ष जिला पंचायत रीवा वीरेन्द्र गुप्ता जी अध्यक्ष, भाजपा जिला रीवा मा. व्यंकटेश पाण्डेय जी अध्यक्ष, नगर पालिक निगम रीवा डॉ. रहस्यमणि मिश्र जी पूर्व कुलपति अ.प्र. सिंह वि. वि .रीवा डा आर. एन. तिवारी प्राचार्य, विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. सुरेन्द्र सिंह परिहार ध्रुव कुमार द्विवेदी कुलगुरू स्वामी विवेकानाद वि.वि. सागर (म.प्र) सामिल होंगे। श्री मिश्र ने बताया कि गरिमामयी समारोह का शुभारम्भ के पहले सुबह 11:00 बजे से सुन्दरकाण्ड पाठ, के बाद समारोह का प्रारंभमुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा नव निर्मित शिक्षा भवन का लोकार्पण दोपहर 02:00 बजे से मां सरस्वती वंदना महाविद्यालय की छात्र/छात्राओं द्वारा माल्यार्पण कार्यक्रम अतिथियो को स्मृति चिन्ह स्वागत गीत द्वारा अतिथियों का स्वागत महाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं द्वारा पूरा छात्रों का सम्मान, महाविद्यालय के भूमिदान दाताओं का सम्मान, महाविद्यालय के अध्यक्ष द्वारा अतिथियों के लिए, स्वागत भाषण एवं प्रगति प्रतिवेदन, विशिष्ट अतिथियों का सम्बोधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रसाद वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न होगा

मादक पदार्थों के अवैध व्यापार एवं तस्करी पर कड़ी कार्रवाई करें - कलेक्टर

जिला नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन की बैठक सम्पन्न

मऊगंज (कीर्तिप्रभा). कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक कलेक्टर कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध मादक पदार्थों के नियंत्रण, रोकथाम एवं प्रभावी कार्रवाई की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जिले में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार एवं तस्करी पर निगरानी रखते हुए कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। आबकारी अधिकारी अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के निर्माण और विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण रखने के लिए सघन जांच अभियान चलाएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए सभी विभागों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस, आबकारी, स्वास्थ्य एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए नशे के खिलाफ अभियान को और अधिक प्रभावी बनाएं। युवाओं को नशे से बचाने के लिए स्कूल, कालेज और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाएं और नशे के दुष्परिणामों से उन्हें अवगत कराएं। स्वास्थ्य विभाग नशा मुक्ति केन्द्रों को सुदृढ़ करे और वहाँ दी जाने वाली उपचार सुविधाओं को बेहतर बनाएं। बैठक में अवैध मादक पदार्थों की जब्ती, प्रकरणों की जांच, आरोपियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई तथा लंबित मामलों की समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उप मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती का लिया जायजा

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने हरिहरपुर स्थित अपने खेत में प्राकृतिक खेती द्वारा उगाये जा रहे साग-सब्जी तथा गेहूं की फसल का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान जैविक इनपुट, मिट्टी की उर्वरता, जल संरक्षण एवं रासायनिक मुक्त खेती की प्रक्रियाओं का जायजा लिया।

उप मुख्यमंत्री ने महामृत्युंजय मंदिर में की पूजा

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा शहर में किला स्थित महामृत्युंजय मंदिर पहुंचकर भगवान शंकर के दर्शन किये और पूजा-अर्चना कर प्रदेश वासियों के कल्याण की कामना की।

एमपी टास पोर्टल में छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए एमपी टास पोर्टल में आवेदन पत्र 31 मार्च तक जमा किये जा सकते हैं। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक कल्याण ने जिले के शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों से अपेक्षा की है कि निर्धारित समयावधि में पात्र विद्यार्थियों के आवेदन प्रस्तुत किये जांय ताकि उनका परीक्षण कर पोर्टल पर अगले चरण हेतु अग्रेषित किया जा सके।

सैनिक भर्ती के लिए पंजीयन एक अप्रैल तक

रीवा (कीर्तिप्रभा) भारतीय सेना में अग्निवीर सैनिक के रूप में भर्ती के लिए पात्र युवा एक अप्रैल तक अपना पंजीयन ऑनलाइन करा सकते हैं। इस संबंध में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल पी. गंगा ने बताया कि अग्निवीर सेना भर्ती रैली के लिए नोटिफिकेशन सेना की वेबसाइट ज्वाइन इंडियन आर्मी में जारी कर दिया गया है। सेना में जान के इच्छुक पात्र युवा इस वेबसाइट में अपना पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन कराने के बाद अग्निवीर सैनिक भर्ती रैली में शामिल होकर अग्निवीर सैनिक बनने का अवसर मिलेगा। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ सेना भर्ती कार्यालय जबलपुर के फोन नम्बर 7247028996 पर संपर्क करके प्राप्त की जा सकती है।

चना, मसूर और सरसों की खरीदी के लिए केन्द्र निर्धारित

मऊगंज (कीर्तिप्रभा) मऊगंज जिले में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर चना, मसूर और सरसों की खरीदी 30 मार्च से 28 मई तक की जाएगी। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत पात्र सत्यापित किसानों से चना, मसूर और सरसों की खरीदी के लिए केन्द्र निर्धारित कर दिया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार तहसील मऊगंज में विपणन सहकारी समिति मऊगंज में इन फसलों की खरीदी की जाएगी। इसी प्रकार हनुमना तहसील में सेवा सहकारी समिति पांती और नईगढ़ी तहसील में सेवा सहकारी समिति बहुती में चना, मसूर और सरसों की खरीदी की जाएगी। उपार्जन कार्य सप्ताह में पाँच दिवस सोमवार से शुक्रवार सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक किया जाएगा।

तड़प रहे हैं पानी के लिए आदिवासी

मध्य प्रदेश शासन नल जल योजना में करोड़ों रुपए खर्च देती है लेकिन गरीबों को पानी नही मिलता है यही हाल ग्राम पंचायत केंचुहा में है जंगल के किनारे आदिवासी लोग पानी के लिए तड़प रहे हैं 2 किलोमीटर नदी से लाकर पानी पीते है,, अधिकारी को फोन लगाइए तो फोन उठाते नहीं हैं रीवा में बैठकर के मोटी रकम ले रहे हैं, केवल शासन को चूना लगाने मे मस्त हैं जमीनी स्तर में कोई काम होता नहीं है कहीं भी एक भी हैंड पंप की मरम्मत होती नही है पी एच आई विभाग का,,, रघुनाथपुर मे मोलई प्रसाद कोल,उप सरपंच के घर के सामने 2 वर्ष से नल खराब पड़ा है, पी एच ई विभाग के अधिकारी भी गए जो पाइप लगी थी उसको भी उठा ले गए,, छेदीलाल पाल रघुनाथपुर उनके घर के सामने नल लगा है 2 वर्ष से खराब पड़ा है,, लल्लू कोल,झुल्लुहल्ल कोल, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, लाल जायसवाल, पंचायत भवन केंचुहा, मोतीलाल कोल दर्जन भर हैंड पंप खराब पड़े हुए हैं अधिकारी मौन बैठे हैं मैं माननीय विधायक त्यौंथर,,कलेक्टर रीवा एवं क्षद्धद्ध विभाग के सभी उच्च अधिकारियों से निवेदन करना चाहता हूं कि जल्द से जल्द हैंड पंप को सुधार करवा कर पानी का सुचारू रूप से व्यवस्था कराई जाए,,,

अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में विवेचना समय-सीमा में पूर्ण करें - कलेक्टर

मऊगंज (कीर्तिप्रभा)कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पुलिस विभाग और संबंधित विभागीय अधिकारी अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों में विवेचना समय-सीमा में पूर्ण करें। पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने के लिए चालान पेश करने में अनावश्यक विलंब न करें। जिन प्रकरणों में दोष सिद्ध हो चुका है या कानूनी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं, उनमें पीड़ितों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि का भुगतान तत्काल सुनिश्चित करें। न्यायालयों में विचाराधीन पुराने प्रकरणों में शासकीय अधिवक्ता प्रभावी पैरवी करें। पीड़ितों के सामाजिक और आर्थिक पुनर्वास के लिए शासन द्वारा संचालित कौशल विकास एवं स्वरोजगार योजनाओं से उन्हें जोड़ें।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन और पुलिस का यह सामूहिक उत्तरदायित्व है कि समाज के कमजोर वर्गों में सुरक्षा का भाव बना रहे। एसडीएम और एसडीओपी नियमित रूप से फील्ड स्तर पर फीडबैक लें और सामाजिक समरसता शिविर आयोजित कराएं। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की गई तथा पीड़ित परिवारों को दी जाने वाली सहायता राशि एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति समीक्षा की गई। बैठक में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा विगत माह की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिस पर समिति के सदस्यों ने संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधार कि लिए सुझाव दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी, एडिशनल एसपी विक्रम सिंह, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग नीलकंठ सिंह मरकाम सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन कर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के करें प्रयास - कलेक्टर

मऊगंज (कीर्तिप्रभा). कलेक्टर कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में विभिन्न स्थानों पर ब्लैक स्पॉट हैं। पुलिस, राजस्व, एमपीआरडीसी के अधिकारी और सड़क निर्माण एजेंसी संयुक्त रूप से इनका चिन्हांकन कर इसमें सुधार कार्य कराएं और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयास करें। दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के उपचार की त्वरित एवं निःशुल्क व्यवस्था कराएं। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के उपचार के लिए प्रधानमंत्री राहत के तहत कैशलेस उपचार योजना संचालित है। इस योजना से सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को डेढ़ लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है। कैशलेस उपचार योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कौशल विकास समिति की बैठक सम्पन्न

मऊगंज (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला कौशल विकास समिति की बैठक कलेक्टर कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न कौशल विकास योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करना शासन की प्राथमिकता है। इसके लिए कौशल विकास योजनाओं के अंतर्गत अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित करें तथा प्रशिक्षण के उपरांत उन्हें रोजगार अथवा स्वरोजगार से जोड़ने की उचित व्यवस्था करें। प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें और प्रशिक्षण संस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग भी करें।

बैठक में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना एवं अन्य विभागीय योजनाओं के अंतर्गत चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले युवाओं का प्लेसमेंट सुनिश्चित करते हुए उनकी ट्रैकिंग भी नियमित रूप से करें। कलेक्टर ने कहा कि उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार कराएं जिससे प्रशिक्षित युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही उन्होंने स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रशिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बिजली बिल में होगी स्मार्ट मीटर की वसूली

मप्र में स्मार्ट मीटर लगाने का खर्च (इंस्टॉलेशन, मेंटिनेंस, ऑपरेशन) बिजली बिलों के माध्यम से उपभोक्ताओं से वसूला जाएगा। मप्र विद्युत विनियामक आयोग के हालिया टैरिफ के अनुसार, स्मार्ट मीटरों की संख्या बढ़ने के साथ ही उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ बढ़ेगा, जिससे बिजली की दरें बढ़ेंगी। अब स्मार्ट मीटर का खर्च प्रति यूनिट खपत के आधार पर बिजली बिलों में शामिल कर वसूला जाएगा। इस बीच, सरकार स्मार्ट प्रीपेड मीटर इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को 25 पैसे प्रति यूनिट की अतिरिक्त छूट और सोलर आवर (सुबह 9 से शाम 5 बजे) में 20 प्रतिशत की छूट दे रही है।

रेत से लदा हाइवा और जेसीबी मशीन जब्त

अमिलिया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर की कार्यवाही

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, थाना प्रभारी अमिलिया निरीक्षक राकेश बैस के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 26 मार्च 2026 की रात्रि, थाना अमिलिया की पुलिस टीम वाहन चेकिंग हेतु मूड़ा पहाड़ क्षेत्र में तैनात थी। इसी दौरान मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम हरदी में बृजवासी लाल पटेल के ढाबे के सामने जेसीबी मशीन के माध्यम से हाइवा में अवैध रूप से रेत लोड की जा रही है।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने गवाहों के साथ तत्काल मौके पर दबिश दी। तस्दीक के दौरान पाया गया कि हाइवा क्रमांक यूपी 63 एटी 2022 में जेसीबी मशीन क्रमांक यूपी 63 एटी 7172 द्वारा अवैध रूप से रेत का भंडारण एवं विक्रय किया जा रहा था। मौके पर मौजूद मुख्य आरोपी बृजवासी लाल पटेल से रेत उत्खनन व भंडारण के संबंध में वैध दस्तावेज/लाइसेंस मांगे गए, जो प्रस्तुत नहीं किए जा सके। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए रेत से लदे हाइवा और जेसीबी मशीन को मौके पर जब्त कर लिया है। अंधेरे का लाभ उठाकर हाइवा चालक फरार होने में सफल रहा, जिसकी तलाश जारी है। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 303(2), 317(5) एवं खान खनिज अधिनियम की धारा 4, 21 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी अमिलिया निरीक्षक राकेश बैस, उप निरीक्षक राजमणि अहिरवार, प्रआर लोकेन्द्र सिंह, आरक्षक अभिषेक चौधरी एवं आरक्षक रघुराज सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

क्षीरधारा ग्राम योजना से होगा दूध उत्पादन दोगुना

रीवा (कीर्तिप्रभा) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा खेती के साथ-साथ दुधारू पशुपालन पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी और पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी के प्रदेश में दूध उत्पादन को दोगुना करने के संकल्प को पूरा करने के लिए क्षीरधारा ग्राम योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत पशुपालन विभाग अन्य विभागों के सहयोग से दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए बहुआयामी प्रयास कर रहा है। इस संबंध में उप संचालक पशुपालन ने बताया कि क्षीरधारा ग्राम योजना के तहत पशुपालन विभाग द्वारा दुधारू पशुओं के नस्ल सुधार, उन्नत पशुपालन इकाईयों की स्थापना, दुधारू पशुओं की स्वास्थ्य रक्षा एवं पोषण तथा गोपालन को प्राकृतिक खेती से जोड़कर गांव को तीन वर्ष में क्षीरधारा ग्राम के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है।

उप संचालक ने बताया कि वन क्षेत्रों, वन्यजीव अभ्यारण्य तथा नेशनल पार्कों की पाँच किलोमीटर की परिधि में स्थित गांवों में दो चरणों में क्षीरधारा ग्राम योजना लागू की जा रही है। जागरूक पशुपालकों तथा संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सहयोग से दुधारू पशुओं की नस्ल सुधार,

हरा चारा उत्पादन तथा पशुओं के टीकाकरण का प्रयास किया जाएगा। निराश्रित गौवंश को गौशालाओं में आश्रय देने के लिए ग्रामीण विकास विभाग का सहयोग लिया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय जिला स्तरीय क्षीरधारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति गठित की गई है। यह समिति दूध का उत्पादन दोगुना करने के लिए पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, वन विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रयासों में समन्वय करेगी।उप संचालक ने बताया कि क्षीरधारा ग्राम योजना के तहत कृषि विकास हरे चारे के उत्पादन, प्राकृतिक खेती, बायोगैस एवं गोबर गैस संयंत्रों की स्थापना तथा जैविक खाद बनाने के लिए किसानों को प्रशिक्षण देगा। पशुपालन विभाग से समन्वय बनाकर दुधारू पशुओं के लिए हरा चारा उपलब्ध कराएगा। ग्राम स्तरीय दुग्ध सहकारी समितियों तथा कृषि उत्पादक संगठनों एफपीओ के माध्यम से दोनों विभागों की योजनाओं में समन्वय किया जाएगा। प्राकृतिक खेती के लिए गोबर और गोमूत्र से खाद तथा कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण किसानों को दिया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग स्वसहायता समूहों के माध्यम से पशुपालन को बढ़ावा देगा। इन सभी विभागों के समन्वय से तीन वर्षों में दूध का उत्पादन दोगुना किया जाएगा। इससे किसानों की आय में वृद्धि होने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी मजबूती आएगी। इससे रोजगार के भी नए अवसर पैदा होंगे। कई उच्च शिक्षित युवा आधुनिक डेयरी यूनिट स्थापित करके सफलतापूर्वक स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।